Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 111 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, सोमवार 02 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right derection to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित प्रदेश के नागरिकों ने देखा सारंग टीम का रोमांचकारी हवाई करतबः भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और कौशल का अदभूत प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर नवा रायपुर का आसमान भारतीय वायु सेना के अदम्य शौर्य, साहस, अनुशासन और अद्भुत उड़ान कौशल का साक्षी बना। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नवा रायपुर के सेंध लेक में आयोजित भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग एयरोबेटिक डिस्प्ले टीम के रोमांचकारी हवाई प्रदर्शन की फुल ड्रेस रिहर्सल में शामिल हुए। इस अवसर पर भारतीय वायु सेना की आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम, गरुड़ कमांडोज और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के जाँबाजों ने अपने साहसिक करतबों, सटीक नियंत्रण और बेहतरीन तालमेल से उपस्थित जनसमूह को रोमांचित कर दिया। आसमान में तिरंगे की मनमोहक छटा, हेलीकॉप्टरों की आकर्षक फॉर्मेशन और 'वंदे मातरम्' की गूंज ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से सराबोर कर दिया। मुख्यमंत्री साय ने भारतीय वायु सेना के जाँबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग टीम का यह आयोजन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है। हमारे वायु वीरों ने जिस साहस, अनुशासन, आत्मविश्वास और सटीक समन्वय के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया है, वह प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल रोमांचकारी हवाई करतबों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय वायु सेना की उत्कृष्ट क्षमता, कठिन प्रशिक्षण, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का जीवंत परिचय है।





मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ इसी प्रकार निरंतर विकास, प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहे। राज्य स्थापना दिवस की खुशियों के बीच भारतीय वायु सेना के जाँबाजों का यह अद्भुत प्रदर्शन प्रदेशवासियों के उत्साह और गौरव को और अधिक बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सारंग का अर्थ मोर होता है। जिस प्रकार मोर हमारे देश की विशिष्ट पहचान और सुंदरता का प्रतीक है, उसी प्रकार सारंग टीम भारतीय वायु सेना की गरिमा, उत्कृष्ट कौशल और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की धरती पर हम एक ऐसे गौरवशाली उत्सव के साक्षी बन रहे हैं, जहाँ राज्य स्थापना की खुशियों के साथ भारतीय वायु सेना का शौर्य, अनुशासन और अदम्य साहस भी जुड़ गया है। नवा रायपुर का आसमान हमारे वायु वीरों के अद्भुत हुनर, साहस और आपसी तालमेल का गवाह बन रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हवाई प्रदर्शन के दौरान हेलीकॉप्टरों की विभिन्न फॉर्मेशन और साहसिक करतब हमें भले ही सहज और सुंदर दिखाई देते हों, लेकिन इनके पीछे विस्तृत योजना, निरंतर अभ्यास, गहरी एकाग्रता और असाधारण समन्वय होता है। प्रत्येक पायलट को अपनी भूमिका के साथ-साथ अपने साथियों की गतिविधियों का भी पूरा ध्यान रखना पड़ता है। अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में एक-दूसरे पर अटूट विश्वास और सटीक तालमेल ही ऐसी अद्भुत प्रस्तुतियों को संभव बनाता है। उन्होंने कहा कि सारंग टीम का प्रदर्शन हमें यह महत्वपूर्ण संदेश देता है कि अनुशासन, समर्पण, सामूहिक प्रयास और आपसी विश्वास से कठिन से कठिन लक्ष्य को भी प्राप्त किया जा सकता है। हवाई प्रदर्शन का रोमांचकारी शुभारंभ भारतीय वायु सेना की प्रसिद्ध आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने किया। खुले आसमान से छलांग लगाते हुए टीम के जाँबाजों ने अपने पैराशूटों को कुशलतापूर्वक नियंत्रित कर अदम्य साहस, संतुलन और सटीकता का अद्भुत परिचय दिया। ऊंचे आसमान से उतरते हुए स्काईडाइवर्स ने निर्धारित दिशा और गति के अनुरूप अपने पैराशूटों को नियंत्रित किया तथा सेंध लेक के सामने निर्धारित स्थान पर सटीक लैंडिंग की। आसमान से धरती की ओर उतरते इन साहसी जवानों का प्रदर्शन दर्शकों के लिए रोमांच और उत्सुकता से भरा रहा। निर्धारित स्थान पर सफलतापूर्वक उतरते ही पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उपस्थित जनसमूह ने भारतीय वायु सेना के इन जाँबाजों के अद्भुत साहस और उत्कृष्ट प्रशिक्षण की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। आकाशगंगा टीम की इस प्रस्तुति ने भारतीय वायु सेना के जवानों की शारीरिक दक्षता, मानसिक दृढ़ता, कठिन परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखने की क्षमता और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण की प्रभावशाली झलक प्रस्तुत की।गरुड़ कमांडोज ने दिखाया चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विशेष ऑपरेशन का कौशलआकाशगंगा टीम के प्रदर्शन के पश्चात भारतीय वायु सेना के गरुड़ कमांडोज ने एमआई-17 हेलीकॉप्टर से स्लिदरिंग का साहसिक प्रदर्शन किया। हवा में एक स्थान पर स्थिर हेलीकॉप्टर से रस्सियों के सहारे नीचे उतरते जवानों ने कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में निर्धारित स्थान तक पहुँचने की अपनी दक्षता का परिचय दिया। गरुड़ कमांडोज ने हेलीकॉप्टर से उतरकर सेंध लेक के सामने रेस्क्यू एवं कॉम्बैट ऑपरेशन का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके पश्चात जवानों ने मंच को सलामी दी। हवा में स्थिर हेलीकॉप्टर से रस्सियों के सहारे उतरने और निर्धारित स्थान पर ऑपरेशन को अंजाम देने की इस प्रस्तुति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

दिल्ली के प्रतिष्ठित 'गिरि ज़ेवर महल अरिहंत' का रायपुर में भव्य आगमन



रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के सराफ़ा एवं ज्वेलरी बाजार में एक प्रतिष्ठित नाम का नया अध्याय जुड़ गया है। दिल्ली के प्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित ज्वेलरी ब्रांड 'गिरि ज़ेवर महल' के नए शोरूम 'गिरि ज़ेवर महल अरिहंत' का भव्य शुभारंभ रविवार, 1 नवंबर को मालवीय रोड स्थित नवकार ज्वेलर्स के समीप हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। रवि पुष्य नक्षत्र के अत्यंत शुभ संयोग पर आयोजित इस समारोह में परम पूज्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम जी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। उनके सानिध्य में शोरूम की मंगलमय शुरुआत की गई।

शुभारंभ समारोह में रायपुर विधायक श्री सुनील सोनी, विधायक श्री अजय चंद्राकर एवं बस्तर के राजा श्री कमलचंद्र भंजदेव विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संचालकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह में शहर के गणमान्य नागरिकों, व्यापारिक जगत से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तियों एवं आभूषण प्रेमियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। दिल्ली से रायपुर तक पहुंची ज्वेलरी की प्रतिष्ठित पहचान - 'गिरि ज़ेवर महल' के संचालक श्री कार्तिक गिरि हैं, जिन्होंने दिल्ली में स्थापित इस प्रतिष्ठित ज्वेलरी ब्रांड की पहचान को अब छत्तीसगढ़ तक पहुंचाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। ज्वेलरी के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान और विशिष्ट कलेक्शन के लिए चर्चित इस ब्रांड का रायपुर में आगमन शहर के आभूषण बाजार के लिए एक नया आकर्षण है। श्री कार्तिक गिरि की इस पहल के माध्यम से दिल्ली की ज्वेलरी विरासत और रायपुर के ग्राहकों के बीच एक नया जुड़ाव स्थापित होगा।

रायपुर में इस शोरूम की फ्रेंचाइजी का संचालन श्री प्रतीक जैन, श्री लक्ष्य जैन एवं श्री सुधीर अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर ग्राहकों को बेहतर सेवा, आकर्षक कलेक्शन और खरीदारी का विशेष अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस नए प्रतिष्ठान की शुरुआत की गई है।पारंपरिक विरासत के साथ आधुनिक डिजाइनों का संगम - 'गिरि ज़ेवर महल अरिहंत' में ग्राहकों को सोने एवं अन्य आभूषणों की आकर्षक रेंज के साथ पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों का खूबसूरत संगम देखने को मिलेगा। खूबसूरत कारीगरी, आकर्षक डिजाइन और विभिन्न अवसरों के अनुरूप आभूषणों का कलेक्शन यहां ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगा। विवाह समारोहों, त्योहारों एवं विशेष अवसरों के लिए आभूषण खरीदने वालों को यहां कई आकर्षक विकल्प मिलेंगे।शुभारंभ के अवसर पर ग्राहकों के लिए सभी प्रकार की ज्वेलरी पर मात्र 3 प्रतिशत मेकिंग चार्ज की विशेष पेशकश भी रखी गई है। यह विशेष ऑफर ग्राहकों के लिए खरीदारी को और अधिक आकर्षक बनाएगा।रायपुर तेजी से विकसित होते हुए व्यापारिक केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। ऐसे में दिल्ली के प्रतिष्ठित ज्वेलरी ब्रांड का शहर में विस्तार ज्वेलरी बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण जुड़ाव माना जा रहा है। 'गिरि ज़ेवर महल अरिहंत' के शुभारंभ के साथ ग्राहकों को अब एक नए ब्रांड, नए कलेक्शन और आकर्षक खरीदारी अनुभव का विकल्प मिलेगा।

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर फिर महंगा

नयी दिल्ली। त्योहारों से पहले वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं,हालांकि घरेलू इस्तेमाल वाले सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों ने रविवार से दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर 2,820 रुपये कर दी है। अक्टूबर में इसकी कीमत 2,810 रुपये थी। इस प्रकार दिल्ली में यह 10 रुपये महंगा हुआ है। अन्य शहरों में भी कीमतों में कर और परिवहन लागत के आधार पर थोड़े-बहुत अंतर के साथ लगभग इतनी ही बढ़ोतरी की गई है।

देश की पहली बुलेट ट्रेन तैयार करने की प्रक्रिया तेज वैष्णव ने बेंगलुरु में की विनिर्माण प्रगति की समीक्षा

बेंगलुरु। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आदित्य निर्माण केंद्र में भारत में निर्मित हो रही बुलेट ट्रेन-बी28 की निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण किया और बताया कि इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। वैष्णव वंदे भारत शयनयान एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के बाद भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) पहुंचे और ट्रेन की कार बॉडी फैब्रिकेशन के लिए सटीक-इंजीनियर जिग्स और फिक्स्चर सहित विशेष विनिर्माण अवसंरचना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादन के प्रमुख चरणों जैसे अंडरफ्रेम, साइडवॉल, रूफ असेंबली, कार असेंबली और सतह की तैयारी विभिन्न कार्यों को देखा और



अधिकारियों से बात कर जानकारी हासिल की।

रेल मंत्री ने यहां 'निचोड़ परीक्षण' प्रदर्शन भी देखा, जो एक गुणवत्ता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है जिसमें ट्रेन कार बॉडी को इसकी संरचनात्मक ताक़त, कठोरता और आयामी स्थिरता का आकलन करने के लिए नियंत्रित संपीड़न / तन्य बलों के अधीन किया जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यात्री सीटों की जांच की और हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम, कप्लर्स और अन्य ट्रेन उपकरण और असेंबलियों सहित प्रमुख ऑनबोर्ड सिस्टम और घटकों की समीक्षा की।

पीलीभीत विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में अनियमितता को लेकर चुनाव आयोग ने दो अधिकारियों के निलंबन के निर्देश दिए

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश में पीलीभीत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र संख्या 127 की मतदाता सूची तैयार करने में अनियमितता बरतने के मामले में दो अधिकारियों के तत्काल प्रभाव से निलंबन के आदेश दिए हैं। आयोग ने इन अधिकारियों के साथ-साथ एक कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ पहले दायर की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट में कुछ नयी धारा जोड़ने के भी निर्देश दिए हैं। आयोग ने यह कार्रवाई इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी के माध्यम से प्राप्त एक जांच रिपोर्ट के आधार पर की है। आयोग को यह रिपोर्ट 24 अक्टूबर को प्राप्त हुई थी, जिसकी समीक्षा के बाद आयोग ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के नये निर्देश कल शाम जारी किए। आयोग की अवर सचिव दीपमाला द्वारा भेजे गए पत्र में निर्देश है कि पीलीभीत विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में अनियमितता के आरोप में मतदाता पंजीयन अधिकारी मयंक गोस्वामी और हेमंत चौधरी को तत्काल निलंबित किया जाए और उनके खिलाफ आरोपपत्र जारी कर उसकी प्रति आयोग को भी भेजी जाए। आयोग के पत्र में कहा गया है कि इन दोनों अधिकारियों और संबंधित वीआरसी कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल कुमार के खिलाफ पहले से दर्ज प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 198 भी जोड़ी जाए। आयोग का कहना है कि दोनों अधिकारियों को इसकी अनुमति के बगैर बहाल नहीं किया जाए। आयोग ने उत्तर प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी से पीलीभीत जिले की चार विधानसभा सीटों की मतदाता सूचियों में नाम को जोड़ने घटाने या संशोधित करने के कार्य की समीक्षा करवा कर जिला निर्वाचन अधिकारी की समीक्षा रिपोर्ट भी एक सप्ताह के अंदर तालाब की है। आयोग ने इस संबंध में वीआरसी कंप्यूटर ऑपरेटर तथा पीलीभीत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र नंबर 127 के पांच सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों के खिलाफ पहले के निर्देशों के तहत की गई कार्यवाही की रिपोर्ट भी मंगवायी है, जिसे तीन दिन में प्रस्तुत करने को कहा गया है।आयोग ने निर्देश दिया है कि पीलीभीत की मतदाता सूची की जिला चुनाव अधिकारी और मतदाता पंजीकरण अधिकारियों के माध्यम से गहन समीक्षा कराई जाए। आयोग ने इस मामले में फार्म 6 ,7 और 8 के तहत मतदाता सूची में नाम को जोड़ने काटने और उसमें संशोधन किए जाने की जानकारी की प्रविष्टियों की विशेष समीक्षा किए जाने को कहा है।उल्लेखनीय है कि पीलीभीत विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अनियमिताओं की शिकायत के बाद आयोग ने 23 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी से रिपोर्ट तलब की थी।

अब बिना रुके कटेगा टोल टैक्स लिम्हा प्लाजा से शुरू होगी नई व्यवस्था

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स वसूली की व्यवस्था में बड़ा तकनीकी बदलाव होने जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) प्रदेश में पहली बार मल्टीलेन फ्री फ्लो सिस्टम लागू करने की तैयारी में है। इसकी शुरुआत बिलासपुर-पथरापाली एनएच-130 पर स्थित लिम्हा टोल प्लाजा से की जाएगी। नई तकनीक के लागू होने के बाद वाहन चालकों को टोल शुल्क जमा करने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा और चलते वाहनों से ही फास्टैग के माध्यम से निर्धारित राशि की कटौती हो जाएगी। एनएचएआई की प्रस्तावित व्यवस्था के तहत दिल्ली-मेरठ और दिल्ली-आगरा एक्सप्रेसवे की तर्ज पर लिम्हा टोल प्लाजा को आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। यहां हाई रिजॉल्यूशन कैमरे, ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर), फास्टैग रीडर और डिटेक्शन सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) के जरिए वाहनों की आवाजाही की निगरानी की जाएगी। इस प्रणाली में वाहन सामान्य रफ्तार से टोल क्षेत्र पार कर सकेंगे। कैमरे और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वाहनों की पहचान कर संबंधित फास्टैग खाते से शुल्क काटेंगे। इससे टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतारों, बैरियर खुलने के इंतजार और बार-बार ब्रेक लगाने की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। साथ ही यात्रा में लगने वाले समय और ईंधन की खपत में भी कमी आएगी। नई व्यवस्था में बिना फास्टैग वाले वाहनों के लिए भी शुल्क वसूली का प्रावधान किया गया है। ऐसे वाहनों की पहचान नंबर प्लेट के माध्यम से की जाएगी और सामान्य फास्टैग शुल्क के बराबर राशि का चालान जारी होगा। ई-नोटिस जारी होने के 72 घंटे के भीतर भुगतान नहीं करने पर वाहन मालिक को दोगुना शुल्क चुकाना पड़ेगा। वहीं, टोल शुल्क से छूट प्राप्त वीवीआईपी वाहनों के लिए एक्जम्पटेड फास्टैग की सुविधा उपलब्ध रहेगी। एनएचएआई ने मार्च 2027 तक लिम्हा टोल प्लाजा से बैरियर हटाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यहां मल्टीलेन फ्री फ्लो सिस्टम का



प्रयोग सफल रहने पर इसे छत्तीसगढ़ के अन्य टोल प्लाजा पर भी लागू किया जा सकता है। प्रदेश में वर्तमान में करीब 26 टोल प्लाजा हैं। प्राधिकरण भविष्य की नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में भी इस तकनीक को प्राथमिकता देने की योजना पर काम कर रहा है। इंडियन हाईवेज मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) की सितंबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, लिम्हा टोल प्लाजा पर एक महीने में 2,50,500 फास्टैग लेनदेन दर्ज किए गए, जिनसे कुल 6,81,85,000 रुपए का संग्रह हुआ। इस प्रकार यहां प्रतिदिन औसतन 8,350 लेनदेन के माध्यम से करीब 22.7 लाख रुपए की टोल वसूली हुई। वाहनों की इस आवाजाही को देखते हुए लिम्हा टोल प्लाजा को नई प्रणाली की शुरुआत के लिए चुना गया है। इस बीच टोल प्लाजा के आसपास रहने वाले स्थानीय वाहन मालिकों को भी रियायती पास की सुविधा देने की व्यवस्था की गई है। एक नवंबर से टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में निवास करने वाले पात्र निजी वाहन मालिकों को सालाना पास उपलब्ध कराया जाएगा। नगरीय निकाय सीमा के अंतर्गत स्थित टोल प्लाजा पर इसकी दर 3,000 रुपए और नगरीय निकाय सीमा से बाहर स्थित टोल प्लाजा पर 1,500 रुपए निर्धारित की गई है। इस सुविधा का लाभ वैध फास्टैग वाले पात्र गैर-वाणिज्यिक निजी वाहन मालिकों को मिलेगा। एनएचएआई के रीजनल ऑफिसर आलोक कुमार ने नई व्यवस्था के संबंध में आज कहा, नई टोलिंग व्यवस्था से छत्तीसगढ़ में सड़क सफर पहले से अधिक सुगम और तेज होगा। वाहन चालकों को टोल पर रुकने, कतार में लगने और समय गंवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

छह राज्यों में 10 करोड़ मतदाताओं में केवल 1,600 विदेशी मिले

मोदी सरकार की विदाई नजदीक, ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा : खरगे

मोदी, शाह, ज्ञानेश वोट चोरी के जिम्मेदार, सबको मिलेगी सजा : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वोट चोरी करने वाले बच नहीं सकते और उनके खिलाफ कार्रवाई होगी और उनके किए की उन्हें जरूर सजा मिलेगी। गांधी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली को को रामलीला मैदान में संबोधित करते हुए कहा कि कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाना विपक्ष का पहला लक्ष्य है और वह पद से हटेंगे तथा जेल जाएंगे। उन्होंने कहा, आप संविधान से बड़े नहीं हैं। लंबे समय से वोट चोरी होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़ तथा महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के चुनावों में धांधली की गई है।







नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि मोदी सरकार की विदाई के दिन नजदीक हैं और देश में वोट चोरी की साजिश में भूमिका निभाने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा तथा उनके खिलाफ जांच भी होगी। खरगे ने रामलीला मैदान में विपइंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त जनता की आवाज समझ लें, क्योंकि वे लोगों का अधिकार नहीं छीन सकते। उन्होंने कहा कि यह आजादी की दूसरी लड़ाई है और विपक्ष इसे जीतकर रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर करीब 14 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि हटाए गए नामों में कितने विदेशी नागरिक थे। उन्होंने दावा किया कि छह राज्यों में 10 करोड़ मतदाताओं में केवल 1,600 विदेशी मिले हैं, जिनमें अधिकतर नेपाल के नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा घुसपैठियों के नाम पर झूठ बोल रही है और मतदाता सूची में बदलाव का इस्तेमाल चुनावी फायदे के लिए किया जा रहा है। खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार को महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मजदूरों की समस्याओं की चिंता नहीं है बल्कि उसे अपनी कुर्सी की चिंता है। उन्होंने कहा कि चुनिंदा पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है, जबकि सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण से रोजगार और आरक्षण पर खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने का वादा पूरा नहीं होने का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सरकार चुनते हैं लेकिन मोदी सरकार अपनी पसंद के मतदाता चुनने में लगी है।

उन्होंने सवाल किया कि क्या युवाओं, किसानों और कमजोर तबकों के वोट इसलिए काटे जाएंगे कि वे सरकार से सवाल पूछते हैं और अपने अधिकारों की मांग करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में कोई सरकार स्थायी नहीं होती और जनता ही तय करती है कि कौन सत्ता में रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अहंकार में यह कहना बंद करें कि भाजपा 30 या 40 साल तक सत्ता में रहेगी। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार संविधान से मिला है, कोई खैरात नहीं, और इसे कोई छीन नहीं सकता।

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, सोमवार 02 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
2

कानून, नीति और संरक्षण के साथ सामुदायिक अनुभवों एवं पारंपरिक ज्ञान के समन्वय पर हुआ विचार-विमर्श

एचएनएलयू और एफ्ईएस ने आयोजित की दो दिवसीय कार्यशाला

रायपुर (विश्व परिवार)। हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू), रायपुर और फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (एफ्ईएस) द्वारा 'जनजातीय समुदाय और पर्यावरणीय शासन व्यवस्था' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का संयुक्त आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनजातीय समुदायों के अनुभवों एवं दृष्टिकोणों को कानून, नीतिगत ढांचे और पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं के साथ जोड़ते हुए व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए एचएनएलयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) वी. सी. विवेकानंदन ने कहा कि पर्यावरणीय शासन व्यवस्था में वनों के वास्तविक संरक्षकों अर्थात् वन-आश्रित समुदायों को हाशिये पर नहीं रखा जा सकता, बल्कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया के केंद्र में स्थान देना आवश्यक है। उद्घाटन सत्र में श्री सत्यजीत जेना ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वहीं, प्रोफेसर विष्णु कोनूरायर, अधिष्ठाता (अनुसंधान) ने कार्यशाला के उद्देश्यों एवं विषयगत रूपरेखा पर प्रकाश डाला। डॉ. अयान हजरा, सह-संयोजक ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा सुश्री सत्यवती ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। एचएनएलयू के संकाय सदस्य श्री आशुतोष अहिरे ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।



कार्यशाला के विभिन्न तकनीकी सत्रों में जनजातीय अधिकारों, पर्यावरणीय शासन, जलवायु अनुकूलन और समुदाय आधारित संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। सुश्री सत्यवती और सुश्री धनश्वरी सेन ने सामुदायिक दृष्टिकोण एवं अनुभवों को साझा किया। फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी के प्रतिनिधियों डॉ. मनजीत बाल कौर और श्री शिवम ने भी विचार-विमर्श में योगदान दिया। श्री संजय पटनायक ने पर्यावरणीय शासन व्यवस्था तथा श्री सत्यजीत जेना ने जलवायु अनुकूलन के विभिन्न पहलुओं पर अपनी बात रखी। श्री प्रखर जैन ने पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा) तथा श्री अश्वनी कांगे ने वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों और महत्व पर चर्चा की। डॉ. नीरज देवांगन ने शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों के बीच पारस्परिक सीख एवं ज्ञान के आदान-प्रदान की आवश्यकता पर जोर दिया।कार्यशाला के दौरान इस बात पर विशेष बल दिया गया कि पर्यावरण प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और नीतिगत निर्णयों में जनजातीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान, अनुभवों और सहभागिता को संस्थागत स्तर पर उचित स्थान दिया जाना चाहिए। कार्यशाला की आयोजन समिति में डॉ. अयान हजरा, डॉ. राणा नवनीत रॉय, डॉ. देबोमिता मंडल और प्रोफेसर आशुतोष अहिरे शामिल थे। समापन सत्र में विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव प्रोफेसर दीपक श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। श्री प्रदीप बर्मन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ते रहें, संतोष को प्रगति में बाधक न बनने दें : मुनि श्री आराध्य सागर जी

भिलाई (विश्व परिवार)। श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर-6 स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान 1008 पार्श्वनाथ एवं शांतिनाथ भगवान का मंगल अभिषेक एवं शांतिधारा भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर परम पूज्य मुनिराज 108 श्री आराध्य सागर महाराज एवं परम पूज्य मुनिराज 105 श्री क्षयसागर महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। मुनिराज के अमृतमय प्रवचनों का लाभ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया।धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री क्षयसागर महाराज ने भगवान पार्श्वनाथ की महिमा का वर्णन किया तथा जिनेंद्र भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा एवं भक्ति रखने का संदेश दिया।मुनि श्री आराध्य सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने से कभी डरना नहीं चाहिए। लक्ष्य बनाकर उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर संघर्ष करते रहना चाहिए। संतोष को अपनी प्रगति में बाधक नहीं बनने देना चाहिए। लक्ष्य प्राप्ति के बाद भी रुकना नहीं, बल्कि नए लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिए।मुनिश्री ने बच्चों में संस्कारों के साथ आत्मरक्षा के गुण विकसित करने पर जोर देते हुए कहा कि जैन समाज में धार्मिक पाठशालाओं के साथ व्यायामशालाएं भी प्रारंभ होनी चाहिए, जहां बच्चों को शारीरिक प्रशिक्षण दिया जा



सके, ताकि वे अपनी आत्मरक्षा करने में सक्षम बनें।प्रवचन के दौरान मुनिश्री ने मोर के पंख फैलाने एवं हाथी के स्नान का उदाहरण देते हुए कहा कि किसी भी घटना को केवल बाहरी दृष्टि से देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए, बल्कि उसके पीछे छिपे वास्तविक कारणों को समझना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं को अहिंसा परमो धर्मः एवं जियो और जीने दो के सिद्धांत को अपनाते हुए राग-द्वेष से दूर रहकर संयम, शांति और आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।इस अवसर पर अनीता कमल जैन के निवास पर मुनिश्री का आहार संपन्न हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन कर पुण्य लाभ लिया। जैन भवन में प्रगति महिला मंडल एवं समाज की महिलाओं ने मुनिश्री का निरंतराय आहार कराया। मंदिर एवं सकल दिगंबर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने श्रीफल अर्पित कर, पाद प्रक्षालन एवं आरती के माध्यम से मुनिश्री का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रशांत जैन ने बताया कि 2 नवंबर को मुनिश्री का विहार प्रातः 6 बजे सेक्टर-6 जैन भवन से दुर्गा बाड़ा जैन मंदिर की ओर होगा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में जनजाति गौरव दिवस को लेकर कार्यशाला संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी श्री सिद्धार्थ शंभू ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में जनजाति गौरव दिवस की तैयारियों को लेकर कार्यशाला में महत्वपूर्ण जानकारी दिया। कार्यशाला में 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती के अवसर पर प्रदेश भर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।भाजपा राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सह प्रभारी श्री सिद्धार्थ शंभू ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस हमारे जनजातीय समाज के स्वाभिमान, शौर्य और बलिदान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लेकर पूरे जनजातीय समाज को सम्मान देने का काम किया है। भाजपा का संकल्प है कि हम भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह सहित सभी जनजातीय नायकों के गौरवशाली इतिहास को घर-घर तक पहुंचाएंगे और आगामी 15 नवंबर को प्रदेश के प्रत्येक बूथ तक इस दिवस को बड़े ही गौरव और उत्साह के साथ मनाएंगे।प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के माध्यम से हमें संगठन को और अधिक सशक्त करना है। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठनात्मक दृष्टि से जनजातीय समाज के बीच भाजपा के विचार और सेवा भाव को और अधिक गहराई से ले जाने का महाअभियान है। उन्होंने कहा कि 15 नवंबर भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती केवल एक तिथि नहीं, बल्कि जनजातीय अस्मिता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का महापर्व है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजातीय बाहुल्य प्रदेश है और हमारी सरकार जनजातीय समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भगवान बिरसा मुंडा जी ने जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों से लोहा लिया था,

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत भैयाथान में प्रबुद्धजन सम्मेलन

सूरजपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के अंतर्गत रविवार को भटगांव विधानसभा क्षेत्र के भैयाथान स्थित मंगल भवन में विधानसभा स्तरीय प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ शासन की कैबिनेट मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि नागरिकों को चुनाव प्रक्रिया, मतदाता सूची और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका के संबंध में सही एवं तथ्यात्मक जानकारी मिले। वर्तमान समय में स्ट्रक्र और 'वोट चोरी' जैसे मुद्दों को लेकर देशभर में राजनीतिक बहस और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। ऐसे समय में समाज के प्रबुद्ध वर्ग की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवालों और विचारों के लिए स्थान है, लेकिन किसी भी विषय पर चर्चा तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए। प्रबुद्धजनों से आग्रह है कि वे समाज के बीच जागरूकता बढ़ाने, चुनावी प्रक्रिया की सही जानकारी पहुंचाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।मंत्री ने कहा कि 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचकर लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्थाओं पर संवाद स्थापित करना है।उन्होंने कहा कि विपक्ष राजनीतिक विरोध के नाम पर अराजकता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों को जुटाकर किए जा रहे प्रदर्शनों से त्योहारों के इस महत्वपूर्ण सीजन में आम नागरिकों, व्यापारियों और छोटे कारोबारियों की रोजी-रोटी एवं व्यापारिक गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि युवाओं को तथ्यों और सकारात्मक संवाद के बजाय भड़काऊ नारों, अभद्र व्यवहार



और अव्यवस्था की ओर प्रेरित किया जा रहा है। युवाओं की ऊर्जा देश और समाज के निर्माण में लगनी चाहिए, न कि सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने में। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन विरोध के नाम पर आमजन को असुविधा पहुँचाना, अभद्रता को बढ़ावा देना और अराजकता फैलाना उचित नहीं है।जनजागरूकता, तथ्यात्मक संवाद और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से ही लोकतंत्र के प्रति नागरिकों की समझ और जिम्मेदारी को और मजबूत किया जा सकता है।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्री रामकृपाल साहू, विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी श्री शिवनाथ यादव तथा भाजपा सूरजपुर जिलाध्यक्ष श्री मुरली मनोहर सोनी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, जनपद पंचायतों के अध्यक्ष एवं सदस्यगण, विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठजन, प्रबुद्ध नागरिक एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।सम्मेलन के माध्यम से अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और संवैधानिक संस्थाओं के विषय में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

जगदलपुर में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव की तैयारियां पूरी

जगदलपुर। जिला प्रशासन द्वारा इस वर्ष 'छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026' का आयोजन पूरी भव्यता और उत्साह के साथ किया जा रहा है। ÷सशक्त नारी-युवा उड़ान÷ की प्रेरणादायी थीम पर आधारित यह विशेष उत्सव 02 नवम्बर को स्थानीय सिटी ग्राउंड में आयोजित होगा, जिसका औपचारिक शुभारंभ सायं 06 बजे किया जाएगा। इसके पश्चात शाम 07 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जिसमें स्थानीय कला और संस्कृति की मनमोहक छटा देखने को मिलेगी। इस जिला स्तरीय समारोह के मुख्य अतिथि जगदलपुर के विधायक श्री किरण सिंह देव होंगे। इस गरिमामयी अवसर पर क्षेत्र के कई प्रमुख जनप्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच साझा करेंगे। इनमें चित्रकोट विधायक श्री विनायक गोयल, बस्तर विधायक श्री लखेश्वर बघेल, बस्तर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप और जगदलपुर महापौर श्री संजय पाण्डे शामिल हैं। इनके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव मद्दी, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री रूपसिंह मंडावी, इंद्रावती विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री शरद अवस्थी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बलदेव मंडावी तथा नगर पालिक निगम जगदलपुर के अध्यक्ष श्री खेमसिंह देवांगन की भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थिति रहेगी। जिला प्रशासन द्वारा इस राज्योत्सव को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए सभी नागरिकों से उपस्थित होने की अपील की गई है।

भाजपा का पलटवार : जो खुद नशे के काले कारोबार के संरक्षक रहे, वे आज किस मुँह से नशे पर बात कर रहे हैं

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डे ने नशे के काले कारोबार पर कांग्रेस के प्रलाप पर पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि जिनके कार्यकाल में नशे का अवैध कारोबार फला-फूला और जिन्होंने खुद नशे के सौदागरों को



संरक्षण दिया, वे आज नशा मुक्ति पर उपदेश दे रहे हैं! श्रीमती पाण्डे ने सवाल किया कि नशे के असली पैरोकार आज किस नैतिकता से इस विषय पर बयानबाजी कर रहे हैं?भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डे ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में तो छत्तीसगढ़ मादक पदार्थों का डम्पिंग यार्ड बना दिया गया था। इससे भी अधिक शर्मनाक स्थिति यह थी कि पुलिस थानेदार शराब और सूखे नशे के कारोबार में खुलेआम संलिप्त पाए गए थे। श्रीमती पाण्डे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त नेतृत्व में पूरे देश में नशा मुक्ति को लेकर एक ऐतिहासिक और निर्णायक अभियान चलाया जा रहा है। केंद्र सरकार के 2047 तक 'नशा मुक्त भारत' और 2029 तक के चरणबद्ध संकल्पों को पूरा करने के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकार पूरी निष्ठा के साथ काम कर रही है। प्रदेश की स्थिति पर बात रखते हुए श्रीमती पाण्डे ने कहा कि मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के निर्देशन में नशाखोरी और अवैध तस्करी के खिलाफ लगातार उच्चस्तरीय बैठकें आयोजित कर कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य में गठित 'नारकोटिक्स ब्यूरो' और सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के चलते तस्करों पर चौतरफा प्रहार हो रहा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डे ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय जगदलपुर से लेकर रायपुर तक का मार्ग गांजे की तस्करी का एक 'नेशनल हाई-वे' बन चुका था, जिसके जरिए बेरोक-टोक नशे की खेप पहुँचाई जाती थी। लेकिन वर्तमान सरकार के आते ही इस अवैध रूट की निगरानी कड़ी कर दी गई है और तस्करी के तंत्र पर पूरी तरह लगाम कस दी गई है। श्रीमती पाण्डे ने कहा कि छत्तीसगढ़ की युवा पीढ़ी को नशे के दलदल से बचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है । और किसी भी सूरत में नशा माफ्रियाओं को बख्शा नहीं जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./36666/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 31-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36666
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445E00023** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAY PRAKASH JADWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HOTCHAND JADWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KANCHAN PANJABI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SATYAWAN PANJABI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
सुश्री रूचि शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./36686/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 31-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36686
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446K00477** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMIT PUNJWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAIRAM PUNJWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ROHIT TAKTANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. LAKHAN LAL TAKTANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
सुश्री रूचि शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

इश्तिहार

क्र. /अ/6 वर्ष 2025-26
धरसींवा, दिनांक 21/10/2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि आवेदक **सुन्दर टंडन पिता स्व. जगमोहन दास टंडन निवासी सतनाम चौक, उरला, तहसील धरसीवा, जिला रायपुर (छ0ग0)** द्वारा आवेदन पत्र वास्ते सहखातेदार के रूप में नाम जोड़ने बाबत् आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि **ग्राम कन्हेरा, प0ह0न0 27 रा0नि0म0 रायपुर-19 धनेली, तहसील धरसीवा, जिला रायपुर** में स्थित **भूमि ख0न0 50/2 रकबा 0.2710 हे. ख0न0 15/2 रकबा 0.4250 हे0, ख0न0 191/1 रकबा 0.0240** हे0 भूमि धनसिंग, गिरजा उर्फ **धीरजाबाई टंडन, बहुरा उर्फ बसंती सोनवानी, गुलपिया सभी पिता धरमू, यशवंत पिता पुनउ, देवनाथ, अश्वनी, सुन्दर, घनश्याम, कृष्णा सभी पिसरान जगमोहन दास, हीराकुमारी पति स्व. जगमोहन, प्रमिला पति प्रेमूदास** के संयुक्त नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। सहखातेदार **अहिल्याबाई पिता चरणदास टंडन एवं हेमलता मनहरे पिता स्व. जगमोहन दास टंडन** का नाम फौतीनामांतरण के समय भुलवश राजस्व अभिलेखों में दर्ज नही हुआ है। आवेदक द्वारा आवेदित भूमि में सहखातेदार अहिल्या बाई पिता चरणदास टंडन एवं हेमलता मनहरे पिता स्व. जगमोहन दास टंडन का नाम सहखातेदार में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है ।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत सहखातेदार में नाम जोड़ने बाबत् आवेदन के संबध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 04/11/2026 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा ।

आज **दिनांक 21/10/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
धरसीवां

न्यायालय तहसीलदार महासमुन्द
मामलेकीश्रेणी : राजस्व

संदर्भ- जिला- महासमुंद तहसील-महासमुंद प.ह.न.-00042 महासमुन्द ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- MD 202627580165800053

इश्तिहार

तहसील **महासमुंद के प.ह.न. 00042** के अंतर्गत **ग्राम महासमुन्द के वर्तमान भूमिस्वामी अभिमन्यु, कालो, अशोक कुमार, कुमारीबाई, उषाबाई, पारबती, लक्ष्मीबाई पिता/पति-सानोपता-सादेह, करुणा बाई पिता/पति-सानो, पता-सादेह** धारित भूमि खसरा क्रमांक 690/8(0.0240) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता के द्वारा **कमरू न्रशा पिता/पति-इब्राहिम बक्श पता-महासमुंद, सुल्तान बक्स पिता/पति-स्व रहीम बक्स पता-महासमुंद** के नाम पर पंजीयन/फ्रौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई **दिनांक 20/11/2026** को समय सुबह 11 बजे स्थान **न्यायालय न्यायालय तहसीलदार महासमुन्द** पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/11/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार: JUGAL KISHOR PATEL
तहसील महासमुंद

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

इश्तिहार

क्रमांक /.
./ अ-6 / वर्ष 2025-26
रायपुर, दिनांक 05/10/2026

ग्राम चिरहुलडीह प0ह0नं0 52, तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक **ऋषि केडिया पिता केदारनाथ केडिया निवासी ई-96 समता कॉलोनी रायपुर (छ0ग0)** द्वारा इस न्यायालय में धारा 109-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतरण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है कि, **ग्राम चिरहुलडीह प0ह0नं0 52, तहसील व जिला रायपुर** में स्थित भूमि भूखण्ड **क्रमांक ई-82 खसरा नंबर 959/14** का भाग संविलियन पश्चात **खसरा नंबर 15002/1 का भाग रकबा** 1000 वर्गफुट भूमि को आवेदक / क्रेता द्वारा **विक्रेता श्रीमती राधा देवी भट्टर पति रामरतन भट्टर निवासी- ई-82 समता कॉलोनी रायपुर** से पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को विक्रेता **श्रीमती राधा देवी भट्टर पति रामरतन भट्टर द्वारा विक्रेता शंकर लाल शर्मा पिता रामदेव शर्मा निवासी- नगर निगम रायपुर छ0ग0** से पंजीकृत **विक्रय विलेख दिनांक 22/07/1996** के माध्यम से क्रय किया गया है। जिसे **विक्रेता शंकर लाल शर्मा पिता रामदेव शर्मा** द्वारा विक्रेता **झब्बूलाल तिवारी पिता भृगुप्रसाद तिवारी निवासी- समता कॉलोनी रायपुर** से पंजीकृत विक्रय विलेख **दिनांक 19/10/1989** के माध्यम से क्रय किया गया है। जिसे विक्रेता **झब्बूलाल तिवारी पिता भृगुप्रसाद तिवारी** द्वारा पूर्व विक्रेता समता सहकारी गृह निर्माण संस्था समिति **चिरहुलडीह रायपुर** से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 12/03/1982 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक अपने नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किये है।

अतः आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई **दिनांक 26/10/2026** तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज **दिनांक 05/10/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार,
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ0ग0)

इश्तिहार

./ अ-6/ वर्ष 2025-26
क्रमांक /.. ग्राम चिरहुलडीह प0ह0नं0 52, तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)
रायपुर, दिनांक 05/10/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, **आवेदक राजेश कुमार अग्रवाल पिता स्व. भीमसेन अग्रवाल निवासी- जवाहर नगर रायपुर (छ0ग0)** द्वारा इस न्यायालय में **धारा 109-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959** के अंतर्गत नामांतरण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है कि, **ग्राम चिरहुलडीह प0ह0नं0 52, तहसील व जिला रायपुर** में स्थित भूमि **भूखण्ड क्रमांक 125 खसरा नंबर 618, 652 का भाग रकबा 4717.5** वर्गफुट भूमि को आवेदक / क्रेता द्वारा अनावेदक/**विक्रेता टिल्लू राम साहू पिता मंडल साहू निवासी- तेलीबांध रायपुर (छ0ग0)** से पंजीकृत विक्रय विलेख **दिनांक 08/04/2005** के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। उक्त भूमि को **विक्रेता टिल्लू राम साहू पिता मंडल साहू** द्वारा पूर्व विक्रेता भारत गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रायपुर द्वारा अध्यक्ष ललित कुमार सिंघानिया पिता जीवन लाल सिंघानिया से पंजीकृत विक्रय विलेख **दिनांक 23/07/1988** के माध्यम से क्रय किया है। अतः उक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक अपने नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किये है।

अतः आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई **दिनांक 26/10/2026** तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार,
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ0ग0)

इश्तिहार

..../ अ-6 / वर्ष 2025-26
कमांक /. ग्राम चिरहुलडीह प0ह0 नं0 52, तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)
रायपुर, दिनांक 05/10/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, **आवेदक शैलेष कुमार जैन पिता शिखरचंद जैन निवासी- ई-406 समता कॉलोनी रायपुर (छ0ग0)** द्वारा इस न्यायालय में धारा 109-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतरण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है कि, **ग्राम चिरहुलडीह प0ह0नं0 52, तहसील व जिला रायपुर** में स्थित भूमि **खसरा नंबर 989/3** का भाग ऑनलाईन पश्चात **खसरा नंबर 989/9** रकबा 2815 वर्गफुट भूमि को आवेदकगण/क्रेता द्वारा अनावेदक / विक्रेता अमित कुमार अग्रवाल **पिता अशोक कुमार अग्रवाल निवासी- रामसागर पारा रायपुर द्वारा मु0आम0 अशोक कुमार अग्रवाल पिता स्व. हरद्वारीलाल अग्रवाल निवासी- राम सागर पारा रायपुर (छ0ग0)** से पंजीकृत विक्रय विलेख **दिनांक 10/07/2008** के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। अतः उक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक अपने नाम पर नाम

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, सोमवार 02 नवम्बर 2026

हिंसा ख़त्म पर शिक्षा अब भी गांवों से दूर

केकेभी पढ़ाई के लिए 100 किमी दूर तक जाने को मजबूर बच्चे

राजेश दनानी



जगदलपुर। नक्सलवाद के दौर में गांवों से उजड़ी शिक्षा व्यवस्था अब भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट पाई है। कई आश्रम और छात्रावास आज भी अपने मूल गांवों से दूर संचालित हो रहे हैं। सैंड्रा बालक आश्रम और बालिका आश्रम मद्देड़ में संचालित हो रहे हैं। सैंड्रा के नाम से एक छात्रावास भी मद्देड़ में चल रहा है। एडपल्ली, अन्नापुर और पिल्लूर इन गांवों के बालक आश्रम वरदल्ली में संचालित हो रहे हैं। केरपे यहां का कन्या आश्रम कुटरू में चल रहा है। दुडेपल्ली यहां का बालक आश्रम भी कुटरू में संचालित हो रहा है। इस तरह क्षेत्र के कुल आठ आश्रम और छात्रावास अपने मूल स्थानों से दूर संचालित हो रहे गांवों की वर्तमान जरूरतों का हैं। ग्रामीणों की मांग है कि इन आकलन कर स्कूल और आश्रम दोबारा शुरू करने की योजना बनाई जाए। इसमें भवनों की और विद्यार्थियों की संख्या को स्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता ध्यान में रखा जाए।

सैंड्रा के ग्रामीण महेंद्र तालडी का कहना है कि गांव में स्कूल नहीं होने का असर केवल बच्चों की पढ़ाई पर नहीं, बल्कि पूरे परिवार की दिनचर्या पर पड़ता है। बच्चों को छोटी उम्र में ही घर से दूर रहना पड़ता है। जिन परिवारों के लिए बच्चों को आश्रम भेजना मुश्किल है, उनके सामने शिक्षा जारी रखने की चिंता बनी रहती है। ग्रामीण शैलेंद्र तलाड़ी, राजेंद्र वासम् संतोष तलाड़ी और मेटा रामलाल का कहना है कि न दौर में सुरक्षा के कारण स्कूलों को दूसरी जगह संचालित करना पड़ा था। उस समय परिस्थितियों के अनुसार बच्चों की पवाई जारी रखी गई, लेकिन अब गांवों के करीब शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त देवेंद्र सिंह ने बताया कि नक्सल हिंसा कारण जिले की करीब 50 आश्रम शालाओं को दूसरी जगह संचालित करना पड़ा था। कभी बच्चों को घर के आसपास ही ढाई दशक पहले आईटीआर क्षेत्र के जरूरी थी, लेकिन अब ग्रामीण चाहते को बेहतर भविष्य देने के लिए शिक्षा आश्रमों का संचालन शुरू करने पढने की सुविधा मिलती थी, वहां के कई गांवों में स्कूल और आश्रम है कि गांवों में शिक्षा की सुविधाएं फिर उनके गांव या आसपास उपलब्ध की योजना है। आईटीआर क्षेत्र में स्कूल और आश्रम शालाएं अब दूसरे इलाकों में संचालित हो रही हैं। क्षेत्र में शालाएं संचालित होती थीं। नक्सली से गतिविधियों के दौरान स्कूल भवनों शुरू हो।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य विभाग के पर्यवेक्षक दयाशंकर तिवारी को दी गई भावभीनी विदाई



सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-- स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, भैयाथान में पदस्थ पर्यवेक्षक दयाशंकर तिवारी की सेवानिवृत्ति के अवसर पर बतरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री तिवारी के दीर्घकालीन सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं विभाग के प्रति उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। इस दौरान उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सुखद सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह ने श्री तिवारी के सेवाकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका योगदान विभाग के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने श्री तिवारी के आगामी जीवन के स्वस्थ, सुखमय एवं खुशहाल होने की कामना की। उल्लेखनीय है कि श्री दयाशंकर तिवारी 31 अक्टूबर 2026 को अपनी शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए है। विदाई समारोह में बतरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. जे.बी. सिंह, डॉ. सपना जायसवाल, डॉ. एम.एल. कुशवाहा कमलेश तिवारी, धनश्याम गुप्ता, शिवबोध राजवाड़े, मोहर लाल गुप्ता, निखत परवीन सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने श्री तिवारी के स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

मीडिया कर्मियों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा योजना

योजना के प्रारूप पर आज से सुझाव आमंत्रित, एक से 30 नवंबर तक ईमेल से भेज सकेंगे सुझाव

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- छत्तीसगढ़ में कार्यरत मीडिया कर्मियों को स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन ने पहल की है। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना-2026' का प्रारूप तैयार किया गया है। योजना के प्रारूप और उसके क्रियान्वयन के संबंध में एक से 30 नवंबर 2026 तक सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। तैयार प्रारूप को जनसंपर्क विभाग की वेबसाइट 222.स्वश्चछ्द.द्दश1.द्बठ्ठ पर प्रकाशित कर सुझाव लिया जा रहा है। मीडियाकर्मी योजना के प्रारूप और इसके क्रियान्वयन के संबंध में अपने सुझाव ईमेल chhattisgarhmediakarmi@gmail.com पर भेज सकते हैं। सुझाव भेजने के लिए एक माह की अवधि प्रस्तावित की गई है।

सड़क चौड़ीकरण पर कलेक्टर की अध्यक्षता में प्रशासन और प्रभावित परिवारों के बीच विमर्श

कोरिया। खरवत चौक से जमगहना स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के फोरलेन मार्ग तक 13 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण को लेकर शुक्रवार को कलेक्टर रोक्तिमा यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। सभाकक्ष में आयोजित बैठक में प्रभावित परिवारों और व्यवसायियों ने प्रस्तावित चौड़ीकरण पर अपने सुझाव एवं पक्ष रखे। बैठक में बताया गया कि स्वीकृत सड़क निर्माण परियोजना के तहत 9 मीटर चौड़ीकरण प्रस्तावित है। कुछ लोगों ने इसे 7 मीटर तक सीमित रखने का आग्रह किया, जबकि व्यापारी संघ के अधिकांश सदस्यों ने 9 मीटर चौड़ीकरण पर सहमति जताई। चर्चा के दौरान 9 मीटर चौड़ीकरण के पक्ष में नाली, शोल्डर और रोड डिवाइडर के लिए स्थान उपलब्ध होने तथा भविष्य की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखने की बात रखी गई। इससे स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों सहित मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों को सुविधा मिलने की उम्मीद जताई गई। बैठक में जानकारी दी गई कि सड़क चौड़ीकरण की निविदा प्रक्रिया जारी है। विषय पर आगे चर्चा के लिए दीपावली के बाद प्रभावित परिवारों, व्यापारी संघों और प्रशासन के बीच पुनः बैठक आयोजित करने पर सहमति बनी।

पटवारियों को हड़ताल समाप्त कर काम पर लौटने का अल्टीमेटम

संभाग के सभी 819 पटवारियों को तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश, संबंधित एसडीएम ने जारी किए शो कॉज नोटिस'

फसल क्षति सर्वेक्षण और जरूरी राजस्व कार्य प्रभावित, अनुपस्थित रहने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी'

अनुपस्थिति अवधि को ब्रेक इन सर्विस माना जावेगा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सरगुजा संभाग में हड़ताल पर गए सभी 819 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त श्री नरेन्द्र दुग्गा ने संबंधित पटवारियों को तत्काल कार्य पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सरगुजा संभाग के सभी 6 जिलों के अनुविभागीय दण्डाधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके अनुविभाग में जो-जो पटवारी हड़ताल पर गए हैं उन्हें नोटिस जारी कर तत्काल अपने कर्तव्य पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने तथा संबंधित तहसीलदार के माध्यम से उसी दिन व्यक्तिगत लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि पर मुख्यालय में उपस्थिति नहीं देने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सूरजपुर जिले के 192, सरगुजा जिले के 216, कोरिया के 60, एमसीबी जिले के के 51, जशपुर जिले के 150 एवं बलरामपुर जिले के 150 पटवारियों को शो-काज नोटिस जारी किया गया है। बलरामपुर जिले में मुख्यालय में निवास नहीं करने के कारण 5 पटवारियों को निलंबित की कार्यवाही भी की गई है एवं सभी हड़ताल पर गए पटवारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल अपने कार्य पर उपस्थित होकर शासकीय कार्य का संपादन करे।

संभागायुक्त श्री दुग्गा ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश के बिना कर्तव्य से अनुपस्थित रहने के कारण महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे, फिजिकल वेरिफिकेशन, एग्रीस्टैक तथा आगामी धान खरीदी से संबंधित कृषक अभिलेखों का सत्यापन शामिल है। इसके अलावा आय, जाति एवं निवास प्रमाणपत्रों के लिए आवश्यक जांच प्रतिवेदन, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों सहित अन्य जरूरी कार्यों पर भी असर पड़ रहा है।

चक्रवाती तूफान के कारण विभिन्न क्षेत्रों में हुई फसल क्षति का त्वरित सर्वेक्षण, नुकसान का आकलन और पात्रतानुसार राहत संबंधी कार्रवाई प्राथमिकता से की जानी है। पटवारियों की अनुपस्थिति से ये अत्यावश्यक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे किसानों एवं आम नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित पटवारियों से अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई, अनुपस्थिति अवधि के वेतन एवं अन्य सेवा लाभों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई तथा उक्त अवधि को सेवा में व्यवधान (ब्रेक इन सर्विस) माना जाएगा।

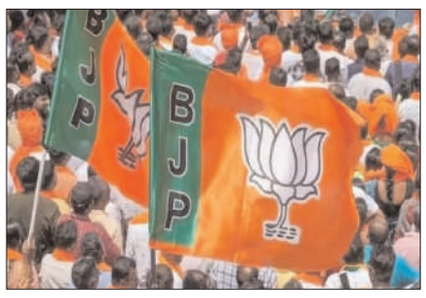
भाजपा की लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ विशाल जन सभा और भव्य पदयात्रा आज

देश विरोधी अराजक तत्वों के खिलाफ भाजपा करेगी शंखनाद, केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया होंगे शामिल

मांई श्री दंतेश्वरी मंदिर के समक्ष होगी सभा और शहर में निकाली जायेगी भव्य पदयात्रा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव व कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप प्रमुखता से रहेंगे मौजूद

भाजपा की सभी तैयारियां पूरी, जिले भर से जुटेंगे कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिकों, आमजनों, समाज प्रमुखों से भी सभा व पदयात्रा में जुड़ने भाजपा की अपील



जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी कल सोमवार 2 नवम्बर को लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ कार्यक्रम के तहत संभाग मुख्यालय जगदलपुर में विशाल सभा व भव्य पदयात्रा निकालेगी। मांई श्रीं दंतेश्वरी मंदिर के समक्ष कल सुबह 11 बजे विशाल सभा आयोजित होगी और उसके पश्चात शहर में भव्य पदयात्रा निकाली जायेगी। भाजपा के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं कैबिनेट मंत्री छग शासन केदार कश्यप भी लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ कार्यक्रम में प्रमुखता से शामिल होंगे। भाजपा द्वारा लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ कार्यक्रम मे आयोजित होने वाली विशाल सभा और पदयात्रा को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है। बस्तर जिले के समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं को इस कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में सम्मिलित होने के आह्वान किया गया है। इसके अलावा गणमान्य नागरिकों,आमजन एवं समाज प्रमुखों को भी लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ कार्यक्रम में जुड़ने आग्रह व अपील भाजपा द्वारा की जा रही है। भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि देश को अस्थिर करने और अराजकता फैलाने का कुत्सित प्रयास कांग्रेस सहित विपक्षी दलों और कतिपय स्वार्थी तत्वों द्वारा लगातार किया जा रहा है। ऐसे तत्वों की देश विरोधी मानसिकता को उजागर करने भाजपा द्वारा लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ कार्यक्रम में सभा और पदयात्रा की जा रही है। जिसमें केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। मांई श्री दंतेश्वरी मंदिर में सुबह 11 बजे सभा आयोजित होगी। जिसके पश्चात लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ भव्य पदयात्रा शहर में निकाली जायेगी। दंतेश्वरी मंदिर से संजय मार्केट चौक, चांदनी चौक, स्टेट बैंक चौराहा, मेन रोड, गोलबाजार से सिररहासार चौक होते हुये पदयात्रा आरंभ स्थल में संपन्न होगी। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री पाण्डेय ने जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं सहित गणमान्य नागरिको,आमजन, सामाजिक संस्थाओं व समाज प्रमुखों से लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ सभा व पदयात्रा में शामिल होने अपील की है।

सूरजपुर पुलिस का रन फॉर यूनिटी, सैकड़ों पुलिसकर्मी, युवाओं ने लगाई एकता की दौड़

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 5 किलोमीटर की दौड़

गोपाल सिंह विद्रोही



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सूरजपुर पुलिस द्वारा रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) के निर्देशानुसार आयोजित इस दौड़ में सैकड़ों पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली छात्र-छात्राएं, युवा एवं ग्रामीणजन ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश दिया।

रन फॉर यूनिटी की शुरुआत भैयाथान रोड से हुई। दौड़ बाईपास रोड रेलवे क्रॉसिंग तक पहुंचकर वापस भैयाथान रोड पर समाप्त हुई। लगभग 5 किलोमीटर की इस दौड़ में सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति समर्पण और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही युवाओं एवं आम नागरिकों में एकता, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

दौड़ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए त्रिभुवन सिंह ने प्रथम, इंदर प्रसाद ने द्वितीय तथा राधामनी मिंज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, थाना प्रभारी सूरजपुर प्रहलाद यादव, निरीक्षक मनोज नेताम, सूबेदार भारती देवांगन सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, स्कूली बच्चे, युवा एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को बनाए रखने तथा देश की एकता और संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ग्रामीणों की मांग पर हुई त्वरित पहल, बड़े बोदल सड़क का निर्माण कार्य शुरू





जगदलपुर (विश्व परिवार)/ बस्तर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में निरंतर पहल किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़े बोदल के सरपंच एवं ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग को गंभीरता से लेते हुए बड़े बोदल मुख्य मार्ग का निर्माण कार्य विधिवत प्रारंभ कर दिया गया है। सुरनदवाड़ा रोड से बड़े बोदल तक जाने वाला यह मार्ग लंबे समय से अत्यंत जर्जर स्थिति में था, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र सड़क निर्माण की गुहार लगाई थी, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए शासन ने कार्य शुरू कराने का निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के फेज 4 के अंतर्गत स्वीकृत यह सड़क परियोजना क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। योजना के तहत बस्तर जिले में कुल 235.45 किलोमीटर लंबाई की 86 सड़कों की ऐतिहासिक स्वीकृति मिली है, जिसमें बड़े बोदल का एल-139 मार्ग भी शामिल है। लगभग 192.06 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस 1.80 किलोमीटर लंबी सड़क का भूमिपूजन पूर्व में मुख्यमंत्री द्वारा किया जा चुका था। हालांकि भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम की वजह से इसका निर्माण कार्य रुका हुआ था, लेकिन अब मौसम अनुकूल होते ही आवश्यक मशीनरी और निर्माण दल को तैनात कर काम तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस पक्की और बारहमासी सड़क के बन जाने से बड़े बोदल सहित आसपास की तमाम दूरस्थ बसाहटों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। इससे न केवल स्कूली बच्चों को स्कूल जाने में सहूलियत होगी, बल्कि मरीजों को समय पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने और स्थानीय किसानों को अपनी उपज नजदीकी मंडियों तक ले जाने में भी सीधी मदद मिलेगी।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, सोमवार 02 नवंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती जिंदगियां

ललित गर्ग



साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे? किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवत: धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजकों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने पीड़ित परिवारों को दिए 25-25 लाख रुपयेकोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है। पूजा-पाठ का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक है, जब हमारी आस्था मानवता की रक्षा का माध्यम बने। यदि किसी धार्मिक आयोजन में सुरक्षा की अनदेखी होती है, तो वह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उन मूल्यों से विचलन भी है, जिनका उत्सव मनाने का दावा किया जाता है। देवी की आराधना करने वाले समाज को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी श्रद्धालु की जान अव्यवस्था के कारण न जाए। श्रद्धा का अर्थ आंखें बंद करके भीड़ का हिस्सा बन जाना नहीं, बल्कि विवेक, संयम और जिम्मेदारी के साथ अपने धर्म का निर्वाह करना है।अब समय आ गया है कि हर ऐसी त्रासदी को एक स्वतंत्र जांच, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधारों से जोड़ा जाए। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो, दोषियों पर समयबद्ध कार्रवाई हो और भविष्य के आयोजनों के लिए लागू किए जाने वाले सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा हो। केंद्र और राज्य सरकारों को बड़े धार्मिक आयोजनों के लिए एक समान न्यूनतम सुरक्षा मानक विकसित करने चाहिए।

नई पटरी की तलाश

परछाइयां बता रहीं अंदर का सच, कुछ तो है इस चिलमन के पीछे। हिमाचल में सत्तारूढ़ कांग्रेस का अगली सत्ता को न्योता देना कम से कम पार्टी की भुजाओं को परखने लगा है। फासले कम हैं तेरी दरगाह के, फिर भी चल न सके तो दोष किसका। खैर अब सत्ता की कसौटियां सामने खड़ी हैं और मंजिल पर इरादों का घमासान। इसी बीच खबर यह कि प्रदेश मंत्रिमंडल के माथे पर नया टीका लगाया जाए। कुछ महीने बदलेंगे बरसात के और कुछ बादल रुकेंगे आगाज से। कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल का मनमोहक संदेश यही कि कांग्रेस अपनी सत्ता की पटरी सुधारेगी और इसके कुछ लाभदायक पद अपने कद के साथ नाटी डालेंगे। फेरबदल की खिड़कियां और मंत्रिमंडल विस्तार के दरवाजे कितने खुलते हैं, इससे पहले यह जानना जरूरी है कि पार्टी से लेकर सरकार तक नेताओं का प्रदर्शन कैसा रहा। कुछ विभाग ऐसे भी हैं, जो न शहर और न ही गांव की दोपहर में नजर आते हैं। चर्चाएं तब ज्यादा होतीं जब साहब बदल जाते या अस्पताल में डाक्टर घट जाते हैं। बेशक नेताओं के प्रदर्शन का एक मानदंड स्थानीय निकाय चुनावों में दिखाई दे रहा है और जहां कई नेता कांग्रेस के सफलतम खिलाड़ी नजर आते हैं। ऐसा ही एक जिक्र आशीष बुटेल का भी होगा, जहां पूरा पालमपुर नगर निगम कांग्रेस को दंडवत प्रणाम करता दिखाई दिया। चर्चा शिक्षा मंत्रालय की रही। नीतियों, कार्यक्रमों के अलावा सीबीएसई पाठ्यक्रम के सुपुर्द हुए, स्कूलों की सूचियों की हुई। क्या सीबीएसई शिक्षकों की मेरिट से इतर विधायकों की कोशिश कोई रुतबा है या गुणवत्ता के लिहाज से किसी नेता ने अपनी सियासत का जिक्र नहीं किया। बेशक आर्थिक तंगी के बजट में उदारता नहीं होती, फिर भी सरकार के हर कदम की पड़ताल होती है। बेशक सुक्खू सरकार के कई फैसले हिमाचल की जमीन बदल देते हैं और आसमान का फासला कम करते हैं, लेकिन जनता की उम्मीदें जवाबदेही से दूर रहना चाहती हैं। उन्हें बिना पर्ची के अस्पताल में इलाज, बिना सवारी के गांव तक बस, बिना शुल्क के नगर निकाय और बिना छात्रों के स्कूल चाहिएं। इसलिए कड़वे पेड़ पर मीठे फल नहीं उगते। कुछ मंत्रियों ने आशा जगाई है, तो हम देख सकते हैं कि राजेश धर्माणी सरीखे मंत्री शहरीकरण को नियोजित करने की इच्छा जगाते हैं। बल्क ड्रग पार्क की मिट्टी को उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान माप लेते हैं। मंत्रियों के जिलों की तासीर अगर गड़बड़ है, तो तस्वीर बदलनी होगी। कुछ विधानसभाओं में विधायक का रुतबा मंत्री बना नजर आता है, तो कुछ मंत्रियों के होने की वजह कमजोर नजर आती है। हम कृषि से स्वास्थ्य और परिवहन तक कुछ कमजोर कडिय़ां देखते हैं।

आलेख

भारत पर 100 फीसदी टैरिफ!

राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफका खेल फिर शुरू कर दिया है। अमरीकी कांग्रेस (संसद) में एक बिल पेश किया गया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले पांच देशों-भारत, चीन, हंगरी, अजरबैजान, स्लोवाकिया-पर 100 फीसदी टैरिफथोपने का प्रावधान है। संसद में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स सांसद बिल पारित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि वे रूस की अर्थव्यवस्था को अधिक कमजोर करना चाहते हैं। बिल के मसविदे में 500 फीसदी टैरिफका प्रस्ताव था, जिसे घटा कर 100 फीसदी किया गया है। यदि अमरीकी संसद में यह बिल पारित किया जाता है, तो भारत पर 100 फीसदी टैरिफके अलावा, 12.5 फीसदी बाल-मजदूरी का टैरिफऔर 18 फीसदी सामान्य टैरिफ कुल मिला कर 130.5 फीसदी टैरिफलागू हो सकता है। अमरीका ने हमारे तांबा, इस्पात, एल्युमीनियम पर 50 फीसदी टैरिफ और सेमीकंडक्टर तथा ऑटो पार्ट्स पर 25-25 फीसदी टैरिफथोप रखा है। यदि 100 फीसदी टैरिफलागू हो गया, तो भारत अमरीका को जो सालाना 6.5 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करता है, वह प्रभावित होगा। रूस से कच्चा तेल खरीद कर भारत सालाना 60,000 करोड़ रुपए की बचत करता है, लेकिन टैरिफलागू होने से 10 गुना अधिक निर्यात पर पलीता लग सकता है। भारत के 2.1 लाख करोड़ रुपए के फार्मा, वस्त्र, हीरे के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। आखिर अमरीका के साथ 'माई डियर फ्रेंड' वाली दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी का सच यही है कि हम टैरिफकी मार लगातार झेलते रहें राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशानुसार ही तेल, गैस के आयात करें यदि वह रूसी तेल की खरीद के लिए छूट दे, तो बल्लियां उछलते रहें और रूस से खुल कर खरीददारी करें ट्रंप होते कौन हैं, क्या दुनिया भर के 'चौधरी' हैं, ठेकेदार हैं, जो भारत जैसे संप्रभु देश और दुनिया के सबसे बड़े बाजार को हांकते रहते हैं हमारी सरकार और नेतृत्व गुमसुम क्यों रहते हैं ब्राजील जैसे छोटे देश के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा अमरीका को टका-सा जवाब दे सकते हैं, लेकिन दुनिया की सबसे अधिक आबादी का देश-भारत-अमरीकी राष्ट्रपति के फरमान सुनने और पालन करने को विवश है दुर्भाग्य, विडंबना और शर्मिन्दगी है! सवाल यह भी गंभीर है कि क्या राष्ट्रपति ट्रंप 100 फीसदी टैरिफथोप कर भारत पर 'व्यापार समझौते' के लिए दबाव बनाने में कामयाब हो सकते हैं फरवरी में समझौते की जो रूपरेखा सार्वजनिक हुई थी, उसके बाद आधी जुलाई तक भी 'अंतिम सौदा' नहीं हो पाया है! बहरहाल भारत ने रूसी तेल खरीदना जारी रखा है। जून में भी 26.1 लाख बैरल तेल रोजाना खरीदा गया। ट्रंप की टैरिफनीति भी अजीब है, क्योंकि रूस से लगातार गैस खरीदने वाले यूरोपीय देशों को प्रस्तावित टैरिफसे बाहर रखा गया है। यूरोपीय देश रूस से 65,000 करोड़ रुपए की गैस आयात कर रहे हैं। क्या वे 'मौसी के बेटे' हैं ट्रंप के क्या इससे रूस की युद्ध-मशीन को ताकत नहीं मिल रही है युद्ध के मैदान में यूरोप रूस के खिलाफमोर्चे खोल रहा है, यूक्रेन को हरसंभव मदद दे रहा है, लेकिन 9.97 मिलियन मीट्रिक टन गैस बीते 6 माह के दौरान रूस से खरीदी है। यह कैसी कूटनीति है भाई यही नहीं, बिल में प्रस्ताव है कि जो देश रूस से सैन्य उपकरण, हथियार आदि भी खरीदेगा, टैरिफउस पर भी थोपा जाएगा। भारत रूस से करीब 45 फीसदी हथियार, सैन्य सामग्री, रक्षा उपकरण आदि दशकों से खरीद रहा है, क्या भारत पर अतिरिक्त टैरिफभी लग सकता है हालांकि अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप-टैरिफ को बिल्कुल 'अवैध' करार दिया था, लेकिन ट्रंप किसकी परवाह करने वाले राष्ट्रपति हैं वह तो 'पक्के दुकानदार' हैं और विदेश नीति, व्यापार नीति भी 'दुकान' की तरह चलाना चाहते हैं! अमरीका ने भारत पर गंभीर आरोप लगाया था कि भारत जो सामान अमरीका में बेचता है, वह सामान 'जबरन श्रम', यानी बाल-मजदूरी, से बनवाया गया होता है, लिहाजा अमरीका ने 12.5 फीसदी टैरिफथोप रखा है। भारत सरकार ने उस आरोप का जबरदस्त जवाब क्यों नहीं दिया क्या अमरीका चाहता है कि भारत उससे ही तेल खरीदे क्यों खरीदें वह कच्चा तेल महंगा पड़ता है और आपूर्ति कमोबेश 40 दिन के बाद होती है। बेशक भारत को टैरिफकी यह लड़ाई निर्णायक तौर पर लडऩी चाहिए। भारत एक प्रभुता संपन्न देश है। उसे कोई बाहरी ताकत अपनी इच्छा अनुसार हांक नहीं सकती है। भारत को अपने हित में स्वतंत्र रूप से फैसले लेने का पूरा-पूरा हक है।

क्या कभी आत्मदैन्य से मुक्त हो सकेंगे हम?

प्रो. संजय द्विवेदी

लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। कोई भी राष्ट्र जिस स्थिति में होता है, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होता है। जापानी जैसे हैं ,उनका देश वैसा ही है। इसी तरह की बात इजरायल, चीन और ईरान या किसी भी देश के बारे में हो सकती है। भारत भी वैसा ही है, जैसे हम हैं! ऐसे में कभी विदेशी आक्रांताओं,कभी मैकाले और कभी अपनी आजादी के बाद सत्ता में आए नायकों को कोसते हुए हम अपने कर्तव्यबोध से मुक्त हो जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सामूहिक चेतना के आधार पर विकसित होता है। उसका इतिहासबोध, संस्कृतिबोध, मित्रबोध और शत्रुबोध मिलकर उसका निर्माण करते हैं। इनसे ही राष्ट्रीय मानस या राष्ट्रीय भाव बनता है। लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है। तत्कालीन समाज के श्रेष्ठ जन भी ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटते थे और खुद को आधा-अधूरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आदर्श बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय,रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला ,वरना हमारी दास्तां भी न होती दास्तानों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था। औसत भारतीय का आचरण अंग्रेजी शासनकाल में कैसा था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गई। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे साल बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने 'अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्ग' छोड़कर 'अंग्रेजियत की पगडंडियों' पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा-परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धर्मपाल जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। 'स्व' के स्थान पर 'परकीय' विचारों की स्थापना के प्रयास खूब चले। हम एक 'राष्ट्र' नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरक्स स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर इस पूरे विचार को ही पोंगापंथ और पिछड़ेपन के रुप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया। राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफवापसी करना चाहता है। जिसे 'विचारों की घर वापसी' कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सूर्य की स्थापना करने के लिए अध्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भावनात्मक प्रवचनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर भ्रमों के निवारण का जतन करे। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को सामने लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुकुल व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विनम्र बनना पहली शर्त है। परंपरा,जीवन पद्धति और परिवार पर छाए संकटों के बीच ये प्रयत्न ही हमें आत्मशक्ति देंगे। दुनिया भर में चल रहे सभ्यतागत संघर्ष के बीच भारत को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार है। जहां साझापन सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज होने कारण हमने मतभिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका उदाहरण हमारी 'शास्त्रार्थ' परंपरा है। इसलिए एक किताब,एक विचार, एक देवता को मानने और दूसरे विचार को समाप्त करने को आतुर विचार भारत को नहीं समझ सकते। जहां दुनिया के हर पंथ के लोग नैसर्गिक सहजता से सांस ले सकते हैं। यहां कोई श्रेष्ठ और निकृष्ट नहीं है। सब समान रूप से इस धरती मां की संतानें हैं। ऐसे में भारत केंद्रित विमर्श ही विश्व शांति का मार्ग है। 'स्वत्व' ही मार्ग है, जिस पर चलने के लिए हमें महात्मा गांधी, धर्मपाल, सीताराम गोयल, दीनदयाल उपाध्याय, वासुदेव शरण अग्रवाल, निर्मल वर्मा, विद्यानिवास मिश्र का अध्ययन मदद कर सकता है। इससे भारत के मूल विचार को समझने तथा भारत का मौलिक चिंतन स्थापित करने में मदद मिलती है। इससे ही ग़लत बातों का खंडन करते हुए हम सही विमर्श की स्थापना में सफल हो पाएंगे। भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों के आधार पर संपूर्ण विश्व के लिए हमें ही वैश्विक बौद्धिक नेतृत्व देना होगा। जिसकी एक झलक हमें स्वामी विवेकानंद में दिखती है। ऐसे में 'स्वबोध' का जागरण ही विकल्प है। पहले हमारे अपने विचार को भारत तो स्वीकार करे। वह आत्मदैन्य से मुक्त होकर 'भारत' को 'भारत' (इंडिया नहीं) की नजर से देखना प्रारंभ करे। वैचारिक साम्राज्यवाद से मुक्ति के लिए कई स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसे इस तरह से समझिए कि गोरा बनाना और अंग्रेजी सिखाना आज भी हिंदुस्तान में दो सबसे बड़े व्यापार हैं।

सुप्रीम कोर्ट नहीं बनेगा नेताओं का अखाड़ा

योगेंद्र योगी

सुप्रीम कोर्ट के बारे में कोई गलतफहमी या अफवाह पहले, इससे पहले ही मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए पत्रकार वार्ता आयोजित की। सीजेआई ने यह कदम इसलिए उठाया कि नेता कहीं बात का बतंगड़ नहीं बना दे और उसमें सुप्रीम कोर्ट को इसमें नहीं घसीट लें। देश के सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि वह राजनीतिक दलों की सत्ता को लेकर चल रही मारामारी के बीच अखाड़ा नहीं बनेगा। सुप्रीम कोर्ट सिर्फ कायदे कानून और संविधान के दायरे में रह कर ही काम करेगा। दरअसल यह संदेश सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के जरिए तमाम राजनीतिक दलों को दिया, जोकि सुप्रीम कोर्ट के जरिए राजनीतिक फायदा उठाने का प्रयास कर रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के बारे में कोई गलतफहमी या अफवाह पहले, इससे पहले ही मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए पत्रकार वार्ता आयोजित की। सीजेआई ने यह कदम इसलिए उठाया कि नेता कहीं बात का बतंगड़ नहीं बना दे और उसमें सुप्रीम कोर्ट को इसमें नहीं घसीट लें। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर मुलाकात का समय मांगा था कि वे उन्हें एक ज्ञापन सौंपना चाहते थे, जिसमें 'वोट चोरी' रोकने, मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूची के एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को रोकने और पुन: मतपत्र प्रणाली पर लौटने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने यह मांग यह कहते हुए ठुकरा दी, कि यदि सुनवाई चाहते हो तो रिट याचिका दायर करो। सीजेआई ने राहुल गांधी के आधिकारिक ईमेल के जवाब में कहा कि इस तरह की मुलाकात उचित नहीं होगी, क्योंकि जिन मुद्दों पर चर्चा की मांग की गई है, वे पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। इसी के साथ सीजेआई ने दूरदर्शिता अपनाते हुए अगले ही दिन प्रेस कांफ्रेंस करके स्थिति स्पष्ट कर दी, ताकि राजनीतिक दल उसकी बातों का गलत मतलब नहीं निकाल पाएं और सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक विवाद में नहीं घसीट सकें। सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट, प्रशासनिक स्तर पर सरकार के कामकाज में दखल नहीं दे सकता, हालांकि नेताओं को अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए



न्यायिक पक्ष में अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट है। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में एक दो बार ही ऐसा हुआ है, जब सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मीडिया के जरिए कोई जानकारी दी गई है, वरना तो मीडिया ही सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और सुनवाई की जानकारी देता है। भारतीय सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में जजों द्वारा मीडिया से सीधे संवाद करने या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का सबसे चर्चित मौका 12 जनवरी 2018 को आया था। सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों—जस्टिस जे. चेलामेश्वर, जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस मदन बी. लोकूर और जस्टिस कुरियन जोसेफने एक ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भारतीय न्यायिक इतिहास में यह पहला अवसर था जब वर्तमान जजों ने इस तरह मीडिया को संबोधित किया था।इन जजों ने तब के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) दीपक मिश्रा के खिलाफ रोस्टर और प्रशासनिक कामकाज को लेकर सार्वजनिक सवाल उठाए थे। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट अपनी अधिकांश जानकारी और फैसले आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों अपनी वेबसाइट और सुनवाई के जरिए ही साझा करता है। हाल के दौर में अदालत ने न्यायिक कार्यवाही के लाइव-स्ट्रीमिंग और उसके डिजिटल क्लिप्स के कमर्शियल इस्तेमाल को लेकर भी कड़े नियम तय किए हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने मीडिया के सामने स्पष्ट किया था कि मुझे कल बैठक के अनुरोध के संबंध में एक पत्र मिला था। मैंने कल रात ही उसका जवाब दे दिया था, जिसमें उन कारणों का उल्लेख किया गया था कि मैं क्यों नहीं मिल पाऊंगा? सीजेआई ने आगे कहा, सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। किसी भी आम नागरिक या निर्वाचित निकाय के सदस्य की किसी भी याचिका का स्वागत है। हर भारतीय नागरिक को अदालत का दरवाजा खटखटाने का अधिकार है। हम उनकी चिंताओं को सुनेंगे और कानून के तहत जो भी उचित होगा, वह करेंगे। सुप्रीम कोर्ट से स्थिति स्पष्ट होने के बाद इंडिया गठबंधन के दलों के पास अपनी मांगों को लेकर कानूनी प्रक्रिया अपनाने का एक ही रास्ता बचा था, वह था रिट याचिका के जरिए न्याय का तकाजा। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक पैदल मार्च निकाला और रिट याचिका दायर की। जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। इसमें चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पार्टी बनाया गया है। दरअसल इससे पहले सीजेआई से अकेले ही मुलाकात की मांग करके कांग्रेस ने यह साबित करने की कोशिश की थी, इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वही करती है। बाकी सब उसके पीछे हैं, किन्तु सीजेआई द्वारा मिलने से इंकार करने से कांग्रेस को अपने दाव में सफलता नहीं मिल सकी।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, सोमवार 02 नवम्बर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

'संसार में सारभूत केवल वीतरागता, असार को छोड़कर सार को ग्रहण करना ही सम्यक ज्ञान की परिणति : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज'

कुण्डलपुर (दमोह) (विश्व परिवार)। निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि संसार में सार और असार का विवेक किए बिना हम न तो सारभूत तत्त्व को ग्रहण कर सकते हैं और न ही असार से बच सकते हैं। जैन दर्शन में इसी विचार को हेय और उपादेय के माध्यम से समझाया गया है। हेय अर्थात छोड़ने योग्य और उपादेय अर्थात ग्रहण करने योग्य। आध्यात्मिक दृष्टि से वीतरागता ही जीवन का सारभूत तत्त्व है, जबकि वीतरागता के अतिरिक्त राग का समूचा संसार असार है। सार और असार को पहचानने वाली दृष्टि ही सम्यक दर्शन की परिणति में भेद विज्ञान कहलाती है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्रीय प्रचारमंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि मुनि श्री ने कहा कि जीवन में किसी भी कार्य को करने से पहले उसे समझना आवश्यक है। हम क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, उसका प्रयोजन क्या है और वह कार्य हमारे साथ-साथ दूसरों के लिए कितना हितकारी है, इन बातों का विचार ही तत्त्वज्ञान है। तत्त्वज्ञान हमें सार और असार का विवेक सिखाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सूप अनाज को ग्रहण कर भूसे को बाहर कर देता है, उसी प्रकार मनुष्य को भी जीवन में सारभूत तत्त्व ग्रहण करके असार विचारों और प्रवृत्तियों को छोड़ना चाहिए। इसीलिए कहा गया है कि सार-सार को ग्रहण करो और थोथा उड़ जाने दो।

मुनि श्री ने कहा कि जैन ग्रंथों का स्वाध्याय करने से शरीर और आत्मा के भेद का ज्ञान होता है। इस भेद विज्ञान को समझकर उस पर श्रद्धान करना और जीवन में उसका पालन करने के लिए आगे बढ़ना ही चारित्र का मार्ग है। व्यक्ति गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी चारित्र धर्म का महत्व समझ सकता है, उसके प्रति श्रद्धा रख सकता है और उसे प्राप्त करने की निरंतर भावना बना सकता है। जब घर में ही चारित्र के प्रति भावना और विश्वास विकसित होने लगेगा तो धीरे-धीरे वही भावना आचरण का रूप ले सकती है। इसलिए शास्त्रों का स्वाध्याय जीवन का अनिवार्य अंग होना चाहिए।



उन्होंने कहा कि अनेक लोग व्यस्तताओं के कारण धर्म और शास्त्रों के अध्ययन के लिए समय नहीं निकाल पाते, लेकिन अस्त-व्यस्त जीवन को व्यवस्थित करने के लिए स्वयं के बारे में, धर्म के बारे में और तत्त्व के बारे में समझने का समय निकालना ही होगा। देव, शास्त्र और गुरु की सन्निधि जीवन को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मंदिर जाकर भगवान के दर्शन, वंदना और पूजा करना आत्मिक प्रेरणा का माध्यम है, लेकिन भगवान किसी को बाध्य नहीं करते। जिनवाणी भी किसी को पढ़ने के लिए विवश नहीं करती। देव और शास्त्र उदासीन निमित्त हैं। उनसे जितनी प्रेरणा और लाभ लेना चाहें, यह व्यक्ति की अपनी भावना और पुरुषार्थ पर निर्भर है।

गुरु की विशेषता बताते हुए मुनि श्री ने कहा कि गुरु उदासीन निमित्त नहीं, बल्कि प्रेरक निमित्त होते हैं। गुरु की पारखी दृष्टि व्यक्ति के स्वभाव और उसकी आध्यात्मिक स्थिति को पहचानकर उसकी योग्यता और परिस्थिति के अनुरूप मार्गदर्शन देती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार एक कुशल दुकानदार अपनी दुकान पर आए ग्राहक को उसकी पसंद और आवश्यकता के अनुसार अलग-अलग वस्तुएं दिखाता है, ताकि वह खाली हाथ वापस न जाए, उसी प्रकार धर्मगुरुओं की भावना भी यही रहती है कि बड़े पुण्य से उनके पास पहुंचे व्यक्ति को बिना धर्म संस्कार ग्रहण किए वापस नहीं जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि गुरु व्यक्ति को उसकी सामर्थ्य और अनुकूलता के अनुसार वंदना, पूजा, पाठ, जप, सामायिक, स्वाध्याय, प्रवचन और दान जैसे धर्मकार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। व्यक्ति जितना कर सकता है, उसे उतना अवश्य करना चाहिए। धर्म के छोटे-छोटे संस्कार भी जीवन में बड़े परिवर्तन का कारण बन सकते हैं। देव और शास्त्र मार्ग दिखाते हैं, जबकि गुरु उस मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। इसलिए गुरु की सन्निधि आत्मकल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दीपों की रोशनी में जगमगा उठा चरौदा स्कूल



बच्चों ने दीपों से लिखा - एक नवंबर

आरंग (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में अनोखा नजारा देखने को मिला। बच्चों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यालय परिसर में दीप प्रज्वलित कर रोशनी की। साथ ही दीपों की श्रृंखला से 'एक नवंबर' लिखकर छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति अपनी श्रद्धा और प्रेम व्यक्त किया।दीपों से जगमगाता 'एक नवंबर' शब्द सभी के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। बच्चों में राज्योत्सव को लेकर खासा उत्साह देखा गया। इस दौरान बच्चों को छत्तीसगढ़ के गठन, संस्कृति और गौरवशाली इतिहास के बारे में भी बताया गया।शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल ने बताया कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में अपनी संस्कृति और प्रदेश के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है।

श्री विद्या प्रमाण साधु वसतिका परिसर में श्री वासुपूज्य विधान में दिखाई दी श्रद्धा भक्ति

भोपाल (विश्व परिवार)। बावड़िया स्थित श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर के नवीन भवन 'श्री विद्या प्रमाण साधु वसतिका परिसर एवं निहार वाटिका' में रविवार, को संगीतमयी भक्तिभाव के साथ श्री वासुपूज्य विधान का भव्य आयोजन हुआ।

उल्लेखनीय है कि साधु वसतिका का शिलान्यास 4 नवंबर 2025 को पूज्य गुरुदेव 'शंका समाधान' प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ था। वासु पूज्य सेवा मंडल के राजेंद्र जैन प्रदीप मोदी ने बताया भगवान जिनेंद्र के अभिषेक पूजा अर्चना के साथ विधान के अरघ अर्पित हुए,,

कार्यक्रम का संयोजन व प्रायोजन श्री वासुपूज्य सेवा



मंडल परिवार द्वारा किया गया। इस दौरान साधु वसतिका के पुण्यार्जक परिवारों, समन्वय समिति, परिसर विक्रेता समाज सेवी अरिहंत गोठी सहित समाज के समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। समारोह में सकल जैन समाज भोपाल एवं विभिन्न जिनालयों के पदाधिकारी पंकज सुपारी विकास गोधा रोहित सुगन्धीलाल जैन, दीप चंद जैन अमरचंद जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में साधु वसतिका संयोजक पुष्पेंद्र जैन ने सभी अतिथियों, पुण्यार्जक परिवारों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

पुष्पेंद्र जैन राजेंद्र जैन निलेश जैन प्रदीप मोदी मनोज सिंघई डॉ अंकुर जैन महेंद्र जैन सौरभ जैन ज्योति जैन आदि एवं विद्या प्रमाण साधु वसतिका समन्वय समिति बावरिया कला समाज जन मौजूद रहे।

हर गांव में मजबूत होगा बाल सुरक्षा तंत्र, सतर्कता व्यवस्था विकसित करने की पहल: डॉ. शर्मा



रायपुर (विश्व परिवार)। कोरबा जिले में एक बालिका के विरुद्ध हुए गंभीर अनाचार एवं उसकी मृत्यु की घटना के संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने प्रभावित परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं साझा कीं। उन्होंने परिवार की वर्तमान परिस्थितियों एवं आवश्यक सहायता के संबंध में जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को परिवार के प्रति संवेदनशीलता के साथ आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने जिला बाल संरक्षण अधिकारी को परिवार के निरंतर संपर्क में रहने तथा परिवार के अन्य बच्चे की शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए आवश्यक शैक्षणिक एवं विधिक सहायता संबंधी विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बच्चे की सुरक्षा, शिक्षा एवं समुचित देखभाल पर नियमित ध्यान देने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि इस पूरी प्रक्रिया में परिवार की गोपनीयता, गरिमा एवं संवेदनशीलता का विशेष ध्यान रखा जाए।प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बच्चों के विरुद्ध बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि पहले सामाजिक जीवन में बच्चों की देखभाल एवं सुरक्षा में परिवार के साथ-साथ पड़ोस और समुदाय की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती थी। पड़ोस के लोग भी बच्चों के प्रति आत्मीयता एवं जिम्मेदारी का भाव रखते थे। वर्तमान समय में एकल परिवारों के बढ़ते चलन तथा सामाजिक संपर्कों में कमी के कारण बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां बढ़ी हैं। ऐसे में आवश्यक है कि समाज पुन: अपनी सामुदायिक जिम्मेदारी को समझे।

कन्द फसल परियोजनांतर्गत किसानों को मिला एक दिवसीय प्रक्षेत्र भ्रमण व उन्नत कृषि प्रशिक्षण



जगदलपुर, 01 नवम्बर 2026/ परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र कुम्हरावण्ड, जगदलपुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कन्द फसल अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत शनिवार 31 अक्टूबर को कंदीय फसलों पर आधारित एक दिवसीय प्रक्षेत्र भ्रमण सह-कृषक प्रशिक्षण एवं सामग्री वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष प्रक्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम में तोकापाल विकासखंड के ग्राम पोटानार से आए 30 से अधिक किसानों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र के सह-संचालक अनुसंधान डॉ एके ठाकुर ने किसानों को कंदीय फसलों की खेती से होने वाले आर्थिक एवं पोषण संबंधी लाभों से अवगत कराते हुए इन्हें अपनी खेती में अपनाने का उपयोगी सुझाव दिया। इसके पश्चात कन्द फसल अनुसंधान परियोजना प्रभारी डॉ पद्माक्षी ठाकुर ने उपस्थित कृषकों को अनुसंधान प्रक्षेत्र का विस्तृत भ्रमण कराया। उन्होंने किसानों को अलग-अलग कंदीय फसलों की उन्नत किस्मों, उनकी आधुनिक उत्पादन तकनीकों और वैज्ञानिक प्रबंधन की विस्तृत जानकारी देते हुए खेती के नए तौर-तरीके अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में डॉ गुंजा ठाकुर ने किसानों को कन्द फसलों के उचित भंडारण के तरीकों के साथ-साथ लघु वर्गीय कंद फसलों के उत्पादन से जुड़े महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रक्षेत्र भ्रमण के समापन उपरांत किसानों को खेती में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आवश्यक कृषि सामग्रियों का वितरण किया गया, जिसमें उन्नत सब्जी बीज, कीटनाशक, मुनगा व अमरूद के पौधे तथा फसल सुरक्षा व सुखाने हेतु तिरपाल शामिल थे। इस पूरे आयोजन से किसानों को कंदीय फसलों की वैज्ञानिक खेती को समझने और उन्हें अपनाने की नई प्रेरणा मिली।

कैनाल लिंकिंग रोड किनारे कचरा डालने पर नगर निगम की कार्रवाई



रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 9 स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जोन 9 क्षेत्र अंतर्गत महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 32 क्षेत्र अंतर्गत अवन्ति विहार कॉलोनी कैनाल लींकिंग रोड के किनारे ट्रेक्टर मालिक सोनू साहू ठेकेदार को ट्रेक्टर से कचरा कैनाल लींकिंग रोड के किनारे डालते हुए देखा, तो तत्काल इसकी जानकारी नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर श्री हितेन्द्र यादव को दी, जोन कमिश्नर के निर्देश पर भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए सम्बंधित ट्रेक्टर मालिक सोनू साहू ठेकेदार पर मार्ग के किनारे कचरा डालने पर 2000 रूपये का जुर्माना किया और प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया.इस दौरान सम्बंधित स्थल पर जोन 9 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित बेहरा और स्वच्छता निरीक्षक श्री भोला तिवारी की उपस्थिति रही.

एनआईटी में 'श्रुति' का भव्य आयोजन



रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के संगीत क्लब 'रागा' द्वारा 31 अक्टूबर 2026 को एक भव्य संगीतमय संध्या 'श्रुति 2026' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एनआईटी रायपुर के निदेशक (प्रभारी) डॉ. समीर बाजपेयी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एनआईटी रायपुर के कुलसचिव श्री अशोक के. गुप्ता उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, प्रो. एस. गुप्ता, अधिष्ठाता (शैक्षणिक), डॉ. शुभाशिष सान्याल, अधिष्ठाता (कॉर्पोरेट रिलेशन्स एवं रिसोर्स मोबिलाइजेशन) तथा डॉ. मनोज कुमार चोपकर, अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. मृदु साहू, डॉ. दिबाकर साहा एवं डॉ. नितिश के. भारद्वाज के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर डॉ इश्तियाक अहमद, डॉ बी पटनायक, संस्थान के संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारीगण, उनके परिवारजन एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम ने संगीत के माध्यम से विभिन्न सीमाओं को पार करते हुए देश की समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाया। प्रस्तुत गीतों और मधुर धुनों ने भारतीय संस्कृति की उस अनूठी विशेषता 'विविधता में एकता' को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया, जो हमारी राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। कार्यक्रम में भक्ति संगीत, रेट्रो एवं रॉक संगीत से लेकर 90 के दशक के मशहूर गीतों के मैशअप तक विभिन्न संगीत शैलियों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

कार्यक्रम के दौरान 'गरज गरज', 'तेरे बिना', 'ये इश्क हाय', 'दीवानी मस्तानी' एवं 'दुनिया में लोगों को' जैसे अनेक लोकप्रिय गीतों ने समां बांध दिया। कलाकारों की भावपूर्ण एवं शानदार प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मधुर संगीत और दिल को छू लेने वाली धुनों ने उपस्थित दर्शकों के मन में एक विशेष अनुभूति उत्पन्न की। इन प्रस्तुतियों ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि संगीत के माध्यम से विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए लोगों को आपस में जोड़ते हुए आपसी सद्भाव, एकता और अपनत्व की भावना को भी प्रोत्साहित किया।

जीवन में मोक्ष मार्ग प्रशस्त करती संयम साधना की प्रतीक मयूर पिच्छिका-विशद सागर जी

अभिनंदनोदय तीर्थ में प्रभावना पूर्वक हुआ मुनि श्री ससंघ का पिच्छिका परिवर्तन

ललितपुर। अभिनंदनोदय तीर्थ पर संत शिरोमणि आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि विशद सागर एवं शिवसागर महाराज का ससंघ का पिच्छिका परिवर्तन दिगम्बर जैन पंचायत के तत्वावधान में प्रभावना पूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमें श्रावकों ने संयम व्रत के साथ मुनि संघ की पुरानी पिच्छिका आर्शीवाद के साथ ग्रहण की और नवीन पिच्छिका गुरु चरणों में समर्पित की।

इस मौके पर धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए मुनि विशद सागर महाराज ने पिच्छिका परिवर्तन को संयम का दिवस बताते हुए कहा इसमें जहां श्रावक संयम के व्रत लेकर धर्म एवं संस्कारों से जुडता है और मुनिराज द्वारा पिच्छिका के माध्यम से तप और त्याग के दौरान उपयोग में लाई गई संयम का प्रतीक पुरानी पिच्छिका ग्रहण करता है। जो श्रावक के लिए यह असीम पुण्य का कारण बनती है। साधू जीवन में पिच्छिका को अभिन्न बताते हुए मुनि श्री ने कहा यह जीवन को सन्मार्ग में लगाने के लिए माध्यम बनकर मोक्ष के मार्ग को प्रशस्त करती है।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ मध्यान्ह में आचार्य श्री के चित्र का अनावरण एवं दीपप्रज्जवलन श्रेष्ठीजनों ने किया। अभिनंदनोदय तीर्थ पर ध्वजारोहण का पुन्यार्जन जैन पंचायत के पूर्वअध्यक्ष अनिल जैन अंचल द्वारा किया गया जवकि मुनि श्री का पादप्रक्षालन गौशाला गंजबासौदा के अध्यक्ष पुनीत जैन ने किया । मुनि श्री को जिनवाणी सीमा रवीन्द्र जैन बानपुर, सुधाकलश महिला मण्डल द्वारा समर्पित



की गई। आचार्य श्री की संगीतमय पूजन भक्तिपूर्वक श्रद्धालुओं द्वारा की गई जिसके अर्घ मुनि श्री के मुखारविन्द से समर्पित किए गए। इस दौरान पाठशाला परिवार के बच्चों ने रोचक धार्मिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जो उपस्थित जनसमुदाय द्वारा सराही गई। कार्यकम का संचालन जैन पंचायत के महामंत्री आकाश जैन द्वारा किया गया जवकि पिच्छिका परिवर्तन को विधिविधान पूर्वक वालब्रहमचारी मनोज भैया द्वारा सम्पन्न कराया गया जिसमें संयम व्रत ग्रहण कर मुनि श्री विशद सागर महाराज की पुरानी पिच्छिका राजेश गुगरवारा एवं मुनि शिक्सागर महाराज की पुरानी पिच्छिका देवेन्द्र कठरया को प्रदान की गई जिसकी अनुमोदना उपस्थित जनसमुदाय ने जयजयकारों से की। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता शीलवंद जैन माताटीला की स्मृति में पंचायत कोषाध्यक्ष सीए सौरभ जैन ने आचार्य विद्यासागर पशु एवं संत सुधासागर पक्षी अस्पताल के लिए आहाता छाया के लिए सहयोग राशि प्रदान कर मुनिश्री को श्रीफल अर्पित किया। संयम महोत्सव में आमंत्रित अतिथियों का दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष डा0 अक्षय टडैया, सनत जैन खजुरिया, कैप्टन राजकुमार जैन, प्रबंधक मोदी पंकज जैन, अशोक जैन दैलवारा मनोज जैन बबीना अजय जैन गंगचारी द्वारा सम्मानित किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष सोनालीजैन ने संयम महोत्सव में मुनि संघ को श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद ग्रहण किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से निर्माण कमेटी प्रमुख शीलचंद अनौरा, अखिलेश गदयाना, संजीव जैन ममता स्पोर्ट, सुरेश बडेरा, धन्यकुमार जैन, राजकुमार सर्राफ अमित सराफ, आनंद जैन भावनगर, सौरभ जैन, अरविन्द जैन आप्टीशियन, श्रीश सिंघई, मीडिया प्रभारी अक्षय अलया, अजय बरया, मनोज जैन, शिक्षक पुष्पेंद्र जैन, ब्रहमचारी सीमा जैन, सविताजैन, वीणा जैन, अनीता मोदी, सुषमा जैन आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए एनएचएम संघ ने लिखा पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ ने प्रदेश के हजारों राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह्।रू) कर्मचारियों की लंबित मांगों एवं दिनांक 13 जून 2026 को रायपुर इंडोर स्टेडियम में आयोजित एनएचएम कर्मचारी महासम्मेलन में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी द्वारा की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन की मांग की है।ज्ञात हो की इस संबंध में संघ के कार्यकारी अध्यक्ष श्री श्याम मोहन दुबे एवं प्रदेश प्रवक्ता श्री पुरन दास ने 30 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री के नाम पत्र प्रेषित कर घोषणाओं के अनुरूप आवश्यक आदेश जारी करने का अनुरोध किया है।महासम्मेलन में मुख्यमंत्री जी द्वारा 33 दिवसीय हड़ताल अवधि के वेतन भुगतान सहित कर्मचारियों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई थीं, लेकिन अब तक आदेश जारी नहीं होने से प्रदेश के हजारों एनएचएम कर्मचारी प्रतीक्षा कर रहे हैं।1. मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप 33 दिनों की हड़ताल अवधि के वेतन का भुगतान।2. नवीन मानव संसाधन नीति (।क्र क्कग्यद्वद्व4) लागू करना।3. पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू करना।4. कैशलेस चिकित्सा सुविधा या चिकित्सा परिचर्या नियम लागू करना।5. ग्रेड-पे संबंधी मांग पर निर्णय लेना।6. संवैतनिक चिकित्सा अवकाश की स्वीकृति जिला स्तर से सुनिश्चित करना।कार्यकारी अध्यक्ष श्री श्याम मोहन दुबे एवं प्रदेश प्रवक्ता श्री पुरन दास ने विशेष रूप से आग्रह किया है कि *दीपावली से पूर्व 33 दिवसीय हड़ताल अवधि के वेतन भुगतान का आदेश जारी किया जाए*, ताकि प्रदेश के हजारों एनएचएम कर्मचारी अपने परिवार के साथ दीपावली का त्योहार खुशी और उत्साह के साथ मना सकें।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

गरियाबंद

रायपुर, सोमवार 02 नवम्बर 2026

संक्षिप्त समाचार

धर्मांतरण के आरोप पर धमतरी में प्रदर्शन, हिंदू जागरण मंच ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में कथित धर्मांतरण को लेकर विवाद गहरा गया है। बोरिद खुर्द गांव से जुड़े एक पारिवारिक मामले के बाद हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि जिले में खुलेआम प्रार्थना सभाएं आयोजित कर लोगों का ब्रेनवॉश किया जा रहा है और धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए जल्द कदम नहीं उठाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। मिली जानकारी के अनुसार, बोरिद खुर्द गांव का एक दंपति शुक्रवार को कोतवाली थाने पहुंचा। परिवार का आरोप है कि निर्मला साहू ने वर्ष 2018 में डीकेश साहू से विवाह किया था। शादी के करीब तीन साल बाद वह परिवार को बिना बताए प्रार्थना सभाओं में जाने लगीं। परिजनों द्वारा आपत्ति जताने पर उन्होंने हिंदू रीति-रिवाजों का पालन करने से इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को महिला परिवार को बिना जानकारी दिए चंगाई सभा में शामिल होने पहुंची थीं। पति को इसकी जानकारी मिलने पर वह उनके पीछे पहुंचे। इसके बाद परिजन महिला को लेकर कोतवाली थाने पहुंचे। वहां महिला ने कथित तौर पर ईसाई धर्म नहीं छोड़ने की बात कही और कहा कि इसके लिए उन्हें परिवार से अलग होना पड़े तो भी वह अपना निर्णय नहीं बदलेंगी।

गरियाबंद में सनसनीखेज खुलासा: जंगल में काले बैग से मिले 21 लाख रुपये, दो आत्मसमर्पित महिलाएं और नव आरक्षक गिरफ्तार!

राजाडेरा के पहाड़ी जंगल में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, टिफिन में छिपाकर ले जाए जा रहे थे 500-500 रुपये के नोट; प्रतिबंधित नक्सली गतिविधियों से जुड़े षड्यंत्र का आरोप



गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले के मैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम राजाडेरा के पहाड़ी जंगल में पुलिस की स्पेशल टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आत्मसमर्पित महिलाओं और गरियाबंद पुलिस के एक नव आरक्षक को 21 लाख रुपये की भारी नकदी के साथ पकड़ा है। तीनों संदिग्ध एक काले रंग के बैग में बड़ी रकम लेकर जंगल के रास्ते जा रहे थे। पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें हिरासत में लिया। बैग की तलाशी लेने पर टिफिन के अंदर 500-500 रुपये के नोटों में कुल 21 लाख रुपये बरामद हुए। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को जिला गरियाबंद के थाना मैनपुर अंतर्गत ग्राम राजाडेरा के पहाड़ी इलाके में तीन संदिग्ध व्यक्तियों के घूमने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए जिला गरियाबंद की स्पेशल टीम को तत्काल राजाडेरा के जंगल की ओर रवाना किया गया।

पुलिस टीम जब ग्राम राजाडेरा के समीप पहाड़ी के पास पहुंची, तभी पहाड़ के नीचे जंगल में दो महिलाएं और एक पुरुष काले रंग का बैग लेकर आते दिखाई दिए। संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया।

पूछताछ में हुई तीनों की पहचान- पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने पर पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान इस प्रकार हुई–

1. सिंगे रोशन (25 वर्ष), पिता माड़वी सुक्का, निवासी ग्राम गामगुलावर, थाना चिंतलनार, जिला सुकमा।
2. बुदरी मुचाकी सोनी (35 वर्ष), पिता कोसा, निवासी ग्राम एटेगट्टा, थाना एर्राबोर, जिला सुकमा।
3. नोहर मरकाम (36 वर्ष), पिता हरिचंद, निवासी ग्राम भूतबेड़ा, थाना शोभा, जिला गरियाबंद। बताया गया है कि नोहर मरकाम गरियाबंद पुलिस में नव आरक्षक के पद पर पदस्थ है।

पुलिस के अनुसार, पकड़ी गई दोनों महिलाएं पूर्व में आत्मसमर्पण कर चुकी थीं।

कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने तीनों के कब्जे में रखे काले रंग के बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग के अंदर रखे टिफिन में 500-500 रुपये के नोटों की बड़ी खेप मिली। नोटों की गिनती करने पर कुल रकम 21 लाख रुपये निकली।

जंगल के सुनसान पहाड़ी इलाके में इतनी बड़ी नकदी का मिलना पुलिस के लिए गंभीर जांच का विषय बन गया। पुलिस ने बरामद रकम और उससे जुड़े साक्ष्यों को अपने कब्जे में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू की।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, मामले में आरोप है कि दोनों आत्मसमर्पित महिलाओं और उनके साथ मौजूद नव आरक्षक द्वारा प्रतिबंधित नक्सली गतिविधियों एवं विचारधारा के पुनः क्रियान्वयन के उद्देश्य से आपराधिक षड्यंत्र किया गया था। साथ ही अवैध वसूली से प्राप्त धनराशि को इस्तेमाल करने के उद्देश्य से अपने कब्जे में रखने के साक्ष्य मिलने की बात पुलिस ने कही है।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना मैनपुर में अपराध क्रमांक 136/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 308(2), 61(2) तथा विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (UAPA) की धारा 17, 18, 20, 38 एवं 40 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि पकड़े गए तीन लोगों में एक व्यक्ति गरियाबंद पुलिस का नव आरक्षक बताया जा रहा है। वहीं, दोनों महिलाएं पूर्व में आत्मसमर्पण कर चुकी थीं। ऐसे में जंगल के भीतर 21 लाख रुपये की नकदी के साथ तीनों की मौजूदगी ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई, इसका वास्तविक स्रोत क्या है, इसे किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था और इस कथित षड्यंत्र में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

राजाडेरा के पहाड़ी जंगल में हुई इस कार्रवाई ने एक बार फिर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों और आर्थिक नेटवर्क पर निगरानी की आवश्यकता को उजागर किया है। फिलहाल मामले में पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई जारी है।

गरियाबंद में अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन की बैठक, एम.आर. खान बने जिला संयोजक

दिल्ली में 12 दिसंबर को होने वाली राष्ट्रीय रैली की तैयारियों पर हुई चर्चा, पटवारी संघ के आंदोलन को भी दिया समर्थन



गरियाबंद (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन की महत्वपूर्ण बैठक गरियाबंद स्थित विश्राम गृह में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, कर्मचारियों की लंबित मांगों और आगामी आंदोलनों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से एम.आर. खान को फेडरेशन का नया जिला संयोजक नियुक्त किया गया।

बैठक में प्रांतीय पर्यवेक्षक एवं फेडरेशन के प्रांतीय महासचिव चंद्रशेखर तिवारी, पंकज पांडे, संतोष वर्मा, गजेन्द्र साहू, खुमान ठाकुर सहित जिले के पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रांतीय महासचिव चंद्रशेखर तिवारी ने आगामी 12 दिसंबर को देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन एवं विशाल रैली की तैयारियों पर चर्चा करते हुए अधिक से अधिक संख्या में कर्मचारियों से शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य स्तर पर कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता आवश्यक है। दिल्ली रैली के माध्यम से कर्मचारियों की आवाज सरकार तक मजबूती से पहुंचाई जाएगी।

नवनियुक्त जिला संयोजक एम.आर. खान ने अपनी नियुक्ति पर फेडरेशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उनकी नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए संगठन को मजबूत बनाने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

बैठक में पटवारी संघ द्वारा किए जा रहे अनिश्चितकालीन आंदोलन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। पटवारी संघ के अध्यक्ष गुलशन यदु ने फेडरेशन से आंदोलन को समर्थन देने की मांग की। इस पर अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन ने स्वस्फूर्त समर्थन देने का निर्णय लिया। साथ ही 03 नवंबर को आयोजित रैली में एक दिवसीय अवकाश लेकर आंदोलन में शामिल होने का आश्वासन दिया।

बैठक में कर्मचारियों के हितों की रक्षा, लंबित समस्याओं के निराकरण और संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों को लेकर एकजुट होकर संघर्ष करना समय की आवश्यकता है।

इस अवसर पर फेडरेशन के जिला महासचिव बसंत त्रिवेदी, मनोज खरे, लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बसंत मिश्रा, स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष देवकुमार पढ़ौती, उमाशंकर साहू, खिलेंद्र साहू, एनएचएम कर्मचारी संघ के अमृत भोंसले, शिवशंकर पटेल, बलदाऊ कौशले, तुलेश कोमर्रा, मुकेश साहू, डोरेश मेहरा, राधिका बंजारे, अजय चेलक, पुरंदर वर्मा, नकुल वर्मा सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों सहित प्रतिभागियों ने लगाई दौड़, देश की एकता, अखंडता और स्वस्थ समाज का दिया संदेश



गरियाबंद (विश्व परिवार)। देश की एकता और अखंडता के संकल्प को सड़कों पर साकार करते हुए गरियाबंद पुलिस ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एकता दौड़ का भव्य आयोजन किया। जोश, उत्साह और सामूहिक सहभागिता से भरे इस आयोजन में पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों सहित अन्य प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दौड़ के जरिए न केवल एकजुटता का संदेश दिया गया, बल्कि स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपनाने का भी आह्वान किया गया।

पुलिस लाइन गरियाबंद से आयोजित इस एकता दौड़ का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। शुभारंभ होते ही प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ दौड़ लगाई। इस दौरान हर कदम के साथ सामाजिक एकता, भाईचारे, आपसी सद्भाव और राष्ट्रीय अखंडता का संदेश बुलंद होता नजर आया।

आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना तथा नागरिकों को शारीरिक रूप से स्वस्थ, सक्रिय और जागरूक रहने के लिए प्रेरित करना रहा। प्रतिभागियों ने एकजुट होकर यह संदेश दिया कि देश की मजबूती केवल सीमाओं की सुरक्षा से नहीं, बल्कि नागरिकों के बीच आपसी विश्वास, सद्भाव और एकता से भी सुनिश्चित होती है। गरियाबंद पुलिस की इस पहल ने यह संदेश दिया कि जब समाज के सभी वर्ग एकजुट होकर सामूहिक प्रयास करते हैं, तभी एक मजबूत, सुरक्षित और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण संभव है। साथ ही लोगों से फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और नियमित व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई।

कमार जनजाति को मिलेगा पर्यावास अधिकार, पारंपरिक जीवन और आजीविका को मिलेगा कानूनी संरक्षण



गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के पारंपरिक जीवन, संस्कृति, आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े अधिकारों को कानूनी मान्यता दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने पहल शुरू कर दी है। वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत कमार जनजाति के पात्र समुदाय को पर्यावास अधिकार प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए शुक्रवार को कलेक्टर एवं जिला स्तरीय वन अधिकार समिति के अध्यक्ष रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 तथा नियम, 2007 (यथा संशोधित नियम, 2012) के प्रावधानों के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों को पर्यावास अधिकार देने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, सामुदायिक सहभागिता और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने और शासन की मंशा के अनुरूप पात्र समुदाय को अधिकारों का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में कमार समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इसके लिए ग्राम स्तर पर संवाद और जागरूकता गतिविधियां संचालित कर निर्धारित समय-सीमा में प्रक्रिया पूरी की जाए।

बैठक में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के वनमंडलाधिकारी वरुण जैन, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास लोकेश्वर पटेल, अनुविभागीय अधिकारी वनमंडल देवभोग आर.के. सोरी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गरियाबंद नम्रता शर्मा, कमार विकास अभिकरण के अध्यक्ष मंगतू कमार, कमार जनजाति के समाज प्रमुख सुकचंद कमार एवं नवराम कमार सहित समाज के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा देशराम कमार, समुदाय विशेषज्ञ भुवनेश्वर नेताम, खोज एवं जनजागृति एनजीओ मैनपुर के अध्यक्ष बेनिपुरी गोस्वामी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। वर्चुअल माध्यम से आदिम जाति विकास विभाग, नया रायपुर के परियोजना अधिकारी राज्य वन अधिकार राजेश कुमार ने भी प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन दिया।

पारंपरिक पर्यावास और सांस्कृतिक विरासत को मिलेगा संरक्षण- पर्यावास अधिकार किसी व्यक्ति या एक गांव तक सीमित नहीं होते, बल्कि पूरे समुदाय के पारंपरिक भौगोलिक क्षेत्र, प्राकृतिक संसाधनों, सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं और आजीविका व्यवस्था से जुड़े होते हैं। इसके तहत पारंपरिक निवास स्थलों, जंगलों पर निर्भरता, लघु वनोपज संग्रहण, आजीविका के पारंपरिक साधनों, सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों और जैव विविधता से जुड़े पारंपरिक ज्ञान को मान्यता एवं संरक्षण देने का प्रावधान है। गरियाबंद जिले में कमार जनजाति को पर्यावास अधिकार मिलने से पीढ़ियों से चली आ रही उनकी जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत को संस्थागत संरक्षण मिलेगा। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के पारंपरिक उपयोग और संरक्षण में समुदाय की भूमिका को भी कानूनी मान्यता प्राप्त होगी।

शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मिलेगी मदद- पर्यावास अधिकारों की मान्यता से कमार समुदाय के समग्र विकास के लिए नई संभावनाएं खुलेंगी। समुदाय की पारंपरिक जरूरतों, भौगोलिक परिस्थितियों और आजीविका के स्वरूप को ध्यान में रखकर विकास योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी। इससे पात्र परिवारों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास, सड़क, बिजली और आजीविका संवर्धन से जुड़ी शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना आसान होगा। इसके साथ ही समुदाय की सामाजिक पहचान, पारंपरिक ज्ञान, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने को भी बढ़ावा मिलेगा।

गांवों में कार्यशाला और प्रशिक्षण से बढ़ेगी जागरूकता- बैठक में पर्यावास अधिकारों की मान्यता की प्रक्रिया को प्रभावी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए आगामी महीनों की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। इसके तहत कार्यशालाओं का आयोजन करने के साथ ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण और जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। कमार समाज के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें अधिकारों से संबंधित प्रावधानों, प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी जाएगी।

समाज प्रमुखों, समुदाय विशेषज्ञों और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर पारंपरिक पर्यावास क्षेत्र से संबंधित आवश्यक जानकारियां भी संकलित की जाएंगी। इसके बाद निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) को उनके पारंपरिक पर्यावास और उससे जुड़े सामुदायिक अधिकारों की मान्यता देने का प्रावधान है। इसके अंतर्गत समुदाय के पारंपरिक निवास क्षेत्र, प्राकृतिक संसाधनों, आजीविका प्रणालियों, सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षण प्रदान किया जाता है।

इसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों की संस्कृति एवं विरासत को सुरक्षित रखना, प्राकृतिक संसाधनों के पारंपरिक प्रबंधन को बढ़ावा देना और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार करना है। गरियाबंद जिले में केंद्र सूची में शामिल पीवीटीजी कमार जनजाति को पर्यावास अधिकार दिलाने की यह पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, बस्तर मण्डल, जगदलपुर

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :–
निविदा डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि :– 17/11/2026

क्र.	नि.आ.सू.क्र. / नि.आ.सू. दिनांक	सिस्टम निविदा क्रमांक निविदा का क्रम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
01	02	03	04	05
1	159/2026-27 दिनांक 28/10/2026	202795 (प्रथम आमंत्रण)	लो.नि.वि. उपसंभाग मद्देड़ में पेंच मरम्मत कार्य के लिए मटेरियल सप्लाई का कार्य।	12.71
2	160/2026-27 दिनांक 28/10/2026	202796 (प्रथम आमंत्रण)	लो.नि.वि. उपसंभाग क्रमांक 01 बीजापुर में पेंच मरम्मत कार्य के लिए मटेरियल सप्लाई का कार्य।	12.71
3	161/2026-27 दिनांक 28/10/2026	202797 (प्रथम आमंत्रण)	लो.नि.वि. उपसंभाग क्रमांक 02 बीजापुर में पैच मरम्मत कार्य के लिए मटेरियल सप्लाई का कार्य।	12.71
4	162/2026-27 दिनांक 28/10/2026	202798 (प्रथम आमंत्रण)	जिला–बीजापुर, ब्लाक–बीजापुर के अंतर्गत उप संभाग क्रमांक–01 बीजापुर में आई.टी.आई. भवन का नवीनीकरण कार्य।	34.14
5	163/2026-27 दिनांक 28/10/2026	202799 (प्रथम आमंत्रण)	बीजापुर टाउन और जेल रोड (खंड 1/2 कि.मी. से 3/10 कि.मी. तक, उप–संभाग क्रमांक 01, बीजापुर जिला बीजापुर के अंतर्गत सीमेंट–कंक्रीट पेंच वर्क।	16.95
6	164/2026-27 दिनांक 28/10/2026	202800 (प्रथम आमंत्रण)	बीजापुर जिला के भोपालपटनम ब्लॉक के अंतर्गत मद्देड़ में मार्गो का सीमेंट कंक्रीट पैच वर्क।	16.95
7	165/2026-27 दिनांक 28/10/2026	202801 (प्रथम आमंत्रण)	कुटरू–बेदरे मार्ग (खंड 1/2 कि.मी. से 21/2 कि.मी. तक, उप–संभाग क्रमांक 01 बीजापुर, जिला बीजापुर) में सीमेंट–कंक्रीट मरम्मत कार्य।	16.95
8	166/2026-27 दिनांक 28/10/2026	202803 (प्रथम आमंत्रण)	जिला–बीजापुर के अन्तर्गत उप संभाग क्रमांक 01 बीजापुर के नेलसनार–कोडोली–गंगालूर मार्ग में (सी.एच 7/2 कि.मी. से 20/2 कि.मी.) का सीमेंट कंक्रीट कार्य।	16.94
9	167/2026-27 दिनांक 28/10/2026	202865 (प्रथम आमंत्रण)	जगदलपुर मेडिकल कॉलेज के कैजुअल्टी के पास पार्किंग शेड का निर्माण कार्य।	13.75

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

G-262704307/2

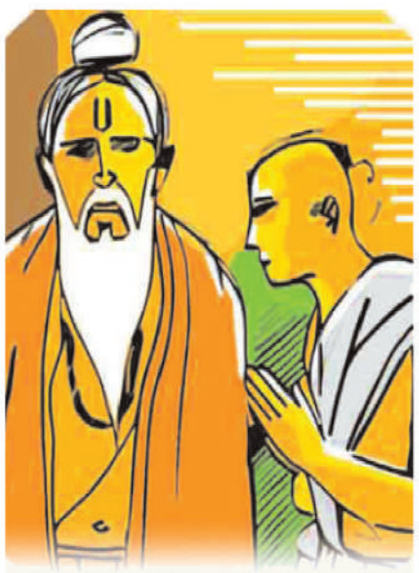
अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बस्तर मंडल जगदलपुर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, सोमवार 02 नवम्बर 2026



पुजारी और पंडित में क्या होता है अंतर

जब भी आप मंदिर दर्शन के लिए जाते होंगे तो वहां आपको पुजारी अवश्य मिलते होंगे। वहीं, मंदिरों में पंडित भी दिख जाते होंगे। ज्यादातर लोग यही मानते हैं कि पंडित और पुजारी एक ही होते हैं जब कि दोनों में बहुत बड़ा अंतर है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर कैसे पुजारी पंडित से अलग होते हैं।

कौन होते हैं पुजारी

पुजारी उन्हें कहा जाता है जो मंदिर में सेवा करते हैं। पुजारी का काम होता है मंदिर में स्थापित भगवान की पूजा-अर्चना करना, उनकी सेवा करना, उन्हें समय-समय पर भोग लगाना, उनकी आरती करना आदि यानी कि पुर्णतः भगवान के कामों के लिए समर्पित रहना। इसके अलावा, पुजारी मंदिर की देखभाल और भगवान के दर्शनों के लिए मंदिर में आए भक्तों तक भगवान का प्रसाद पहुंचाने का काम भी करते हैं। पुजारी मंदिर के दायरे तक सीमित होते हैं और मंदिर के गर्भगृह से जुड़े तमाम कार्यों में उनकी सहभागिता होती है।

कौन होते हैं पंडित

पंडित वो होते हैं जो सिर्फ भगवान के कामों के लिए प्रतिबद्ध नहीं होते हैं। पंडित भगवान की पूजा से लेकर सांसारिक कार्यों जैसे कि गृह प्रवेश, विवाह, मुंडन संस्कार, जनेऊ संस्कार आदि तक को करने के लिए जाने जाते हैं। विभिन्न पाठों, यज्ञ-अनुष्ठानों को भी पंडित करवाते हैं। पंडित का एक धर्म यह भी होता है कि मृत्यु के बाद की जो भी परिक्रियाएं होती हैं उन्हें भी संपन्न कराना। पंडित को इन सभी कार्यों को करने के एवज में दक्षिणा भी मिलती है जबकि पुजारी को किसी भी प्रकार की दक्षिणा लेना वर्जित माना गया है। एक और बड़ा अंतर है इन दोनों में।

पहले के समय में पुजारी गृहस्थ नहीं हुआ करते थे। मंदिर की सेवा के लिए जो भी पुजारी के रूप में नियुक्त होता था उसे विरक्त दीक्षा लेनी पड़ती थी। हालांकि अब के समय में पंडित हो या पुजारी दोनों ही गृहस्थ जीवन का निर्वाह करते हैं और सांसारिकता से जुड़े हुए हैं।



दिवाली से पहले आएगी रमा एकादशी

कब रखें व्रत और कैसे मिलेगा पुण्य

हिन्दू धर्म में रमा एकादशी हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है. यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है. रमा एकादशी को बहुत शुभ माना जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है. इसके अलावा जीवन में आने वाली बाधाएं खत्म होती हैं और घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है. इस दिन भक्त भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और भजन-कीर्तन करते हैं. रमा एकादशी एक पवित्र व्रत है. इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-शांति आती है.



कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को रमा एकादशी कहा जाता है. यह व्रत दिवाली से कुछ दिन पहले रखा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता है कि रमा एकादशी का व्रत रखने और सच्चे मन से भगवान की आराधना करने से पापों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है.

रमा एकादशी कब है

पंचांग के अनुसार, इस साल रमा एकादशी का व्रत 5 नवंबर 2026, गुरुवार को रखा जाएगा. एकादशी तिथि 4 नवंबर को सुबह 11 बजकर 3 मिनट से शुरू होगी और 5 नवंबर को सुबह 10 बजकर 35 मिनट पर समाप्त होगी. उदया तिथि के अनुसार, व्रत 5 नवंबर को रखा जाएगा. रमा एकादशी का नाम माता लक्ष्मी के एक नाम 'रमा' पर पड़ा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु की पत्नी माता लक्ष्मी को रमा भी कहा जाता है. इसी वजह से इस एकादशी पर भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की पूजा करने का विशेष महत्व है.

पद्म पुराण में भी रमा एकादशी के व्रत का उल्लेख मिलता है. मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति के पाप दूर होते हैं. साथ ही, भक्त परिवार की सुख-शांति और आर्थिक समृद्धि के लिए भगवान से प्रार्थना करते हैं.

रमा एकादशी की पूजा विधि

- कार्तिक कृष्ण एकादशी तिथि पर व्रती को सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नानादि कर लेना चाहिए। फिर, साफ वस्त्र धारण करें।
- नित्य कर्म करने के बाद पूजा स्थल साफ करें और वहां एक लकड़ी की चौकी पर लाल या पीले रंग का साफ वस्त्र बिछाएं।
- चौकी पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद, चारों ओर गंगाजल का छिड़काव करें।
- अब सबसे पहले में मन में भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए रमा एकादशी व्रत का संकल्प करें। फिर, पूजा की शुरुआत करें।
- लक्ष्मीनारायण को चंदन, फूल, धूप, तुलसी दल आदि अर्पित करें। साथ ही, मंदिर में एक शुद्ध देसी घी का दीपक जरूर जलाएं।
- भगवान विष्णु के मंत्र 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' का जप करें। इस दिन श्रीसूक्त या विष्णु सहस्रनाम का पाठ करना भी शुभ माना जाता है।
- रमा एकादशी व्रत कथा का पाठ करने के बाद विधि-पूर्वक भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा आरती करें।
- शाम को भी इसी प्रकार भगवान विष्णु और लक्ष्मी मां की पूजा करें और उन्हें भोग लगाएं। द्वादशी के दिन शुभ मुहूर्त में व्रत का पारण करें।
- रमा एकादशी पूजा मंत्र

ओम नमो भगवते वासुदेवाय।
ओम श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।

रमा एकादशी का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है. रमा एकादशी पर व्रत और पूजा करने से भक्त भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का आशीर्वाद पाने की कामना करते हैं. धार्मिक मान्यता है कि इससे जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है. कई लोग इस दिन जरूरतमंदों को भोजन, अनाज और वस्त्र का दान भी करते हैं. मान्यता है कि श्रद्धा के साथ किया गया दान पुण्यदायी होता है. व्रत रखने वाले लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए व्रत करना चाहिए और पारण निर्धारित समय में करना चाहिए.

एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि के बाद व्रत संकल्प लें. पूजा के दौरान भगवान विष्णु को पीली मिठाई का भोग लगाना चाहिए क्योंकि पीला रंग भगवान श्रीहरि का प्रिय रंग माना जाता है. भगवान विष्णु के साथ-साथ देवी लक्ष्मी की भी पूजा करें. इस दिन पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाना भी शुभ माना जाता है.





भगवान गणेश को क्यों कहते हैं गणपति बप्पा?

सनातन धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूजनीय देवता माना जाता है। इनकी पूजा विधिवत रूप से करने से सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

भगवान गणेश, जिन्हें गणपति, विनायक, और गणेशजी के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक हैं। उन्हें बुद्धि, समृद्धि, और भाग्य का देवता माना जाता है। गणेशजी को नए आरंभों, यात्रा, और किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत में पूजा जाता है। गणेश चतुर्थी का त्योहार उनके सम्मान में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। गणेश की पूजा विशेष रूप से उन अवसरों पर की जाती है जब कोई नया कार्य या योजना शुरू की जाती है, क्योंकि उन्हें नए आरंभों और बाधाओं को हटाने वाला माना जाता है। गणेश का वाहन एक चूहा होता है, जो उनकी विनम्रता और सभी बाधाओं को पार करने की क्षमता का प्रतीक है। बता दें, गणेश चतुर्थी के दिन गणेश जी के सिद्धि विनायक स्वरूप की पूजा विशेष रूप से करने की मान्यता है। अब ऐसे में भगवान गणेश को बप्पा क्यों कहा जाता है।

क्यों कहा जाता है गणपति बप्पा?

गणपति बप्पा यह नाम भगवान गणेश के लिए एक प्रिय और लोकप्रिय संबोधन है, जो भारत में विशेष रूप से गणेश चतुर्थी के दौरान अत्यधिक उपयोग किया जाता है। गणपति यह शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है - गण और पति। गण का अर्थ है समूह या समुदाय, और पति का अर्थ है स्वामी या प्रभु। अतः गणपति का शाब्दिक अर्थ होता है सभी गणों के स्वामी। यह भगवान गणेश की सर्वोच्च स्थिति और उनके ज्ञान का प्रतीक है। बप्पा एक मराठी शब्द है, जिसका अर्थ है पिता या पिताजी। यह शब्द भगवान गणेश के प्रति एक व्यक्तिगत और घनिष्ठ संबंध को दर्शाता है। यह एक ऐसा शब्द है जिसे बच्चे अपने पिता को बुलाते हैं और यह भगवान गणेश की करुणा और दयालु स्वभाव को दर्शाता है। मोरया शब्द के पीछे कई कहानियां और व्याख्याएं हैं। एक लोकप्रिय मान्यता के अनुसार, यह शब्द मोरया गोसावी से जुड़ा हुआ है, जो एक संत थे। कहा जाता है कि मोरया गोसावी ने ही सबसे पहले भगवान गणेश को बप्पा मोरया कहा था। कुल मिलाकर, गणपति बप्पा नाम भगवान गणेश के ज्ञान, शक्ति, दयालु स्वभाव और उनके भक्तों के प्रति प्रेम का प्रतीक है। यह नाम भगवान गणेश को एक ऐसे देवता के रूप में दर्शाता है जो न केवल पूजनीय हैं, बल्कि एक पिता, मित्र और मार्गदर्शक भी हैं। गणेश चतुर्थी के दौरान, भक्तों द्वारा गणपति बप्पा मोरया का जयकारा लगाया जाता है। यह जयकारा भगवान गणेश के प्रति भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है।



दिन के इस विशेष समय पर करें इस मंत्र का जाप, पाप होंगे नष्ट और होगी भगवान श्री कृष्ण की कृपा

ज्योतिष शास्त्र में मंत्रों का अत्यधिक महत्व है। ज्योतिष के अनुसार, ग्रहों, नक्षत्रों और राशियों की ऊर्जा का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। मंत्रों का जाप करके हम इन ग्रहों, नक्षत्रों और राशियों की अनुकूल ऊर्जा को प्राप्त कर सकते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

जन्म कुंडली में यदि किसी ग्रह की स्थिति कमजोर या अशुभ हो तो उस ग्रह से संबंधित मंत्रों का जाप करके ग्रहों के दोषों को दूर किया जा सकता है। यदि आप जीवन में किसी विशेष क्षेत्र में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, जैसे कि शिक्षा, करियर, विवाह, स्वास्थ्य आदि, तो उस क्षेत्र से संबंधित मंत्रों का जाप करके आप अपनी इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में नकारात्मक ऊर्जा, बाधाओं या संघर्षों का सामना कर रहे हैं, तो रक्षा कवच या शांति स्त्रोत प्रदान करने वाले मंत्रों का जाप करके आप इन नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर कर सकते हैं। विभिन्न ग्रहों से संबंधित मंत्रों का जाप करके हम उन ग्रहों की अनुकूल ऊर्जा को प्राप्त कर सकते हैं, जिससे हमारे जीवन में समृद्धि, खुशी और सफलता आ सकती है। अब ऐसे में भगवान श्रीकृष्ण का ऐसा शक्तिशाली मंत्र है। जिसका जाप करने से व्यक्ति को सभी कष्टों से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही आरोग्य की भी प्राप्ति हो सकती है।

भगवान श्रीकृष्ण के शक्तिशाली मंत्र का करें जाप

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के इस मंत्र का जाप करना बेहद शुभ और उत्तम साबित हो सकता है। ऐसी मान्यता है कि इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को सभी कष्टों से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। इस मंत्र पवित्रता, शुद्धता, सफलता और आरोग्य का कारक माना जाता है।

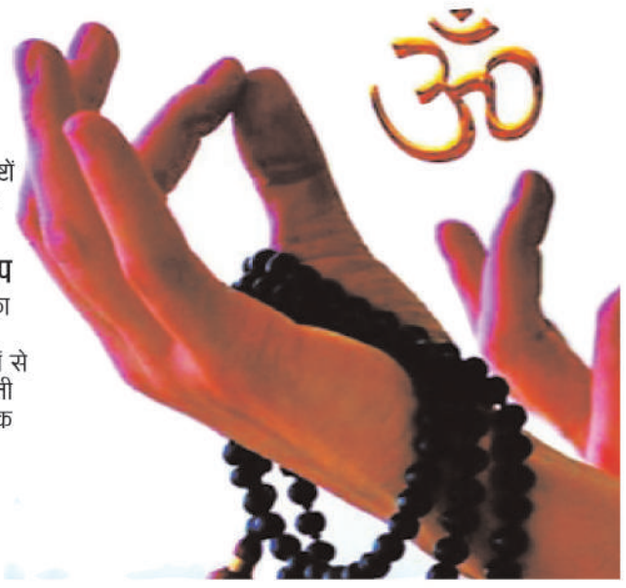
कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने ॥
प्रणत- क्लेशनाशाय गोविंदाय नमो नमः ॥

इस मंत्र का करें 108 बार जाप

अगर आप भगवान श्रीकृष्ण के इस शक्तिशाली मंत्र का जाप कर रहे हैं, तो 108 बार करें। इससे शुभ शीघ्र लाभ मिलने की संभावना होती है। साथ ही इस मंत्र का विधिवत रूप से जाप करें।

इस मंत्र का जाप किस विधि से करें

अगर आप भगवान श्रीकृष्ण के इस मंत्र का जाप कर रहे हैं, तो स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनकर जाप कर सकते हैं। इस मंत्र का जाप आसन पर बैठकर करें। इस मंत्र का जाप विशेष रूप से रात में सोने से पहले करें। इससे उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।



दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, सोमवार 02 नवम्बर 2026

मीडिया कर्मियों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा योजना

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में कार्यरत मीडिया कर्मियों को स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन ने पहल की है। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना@2026' का प्रारूप तैयार किया गया है। योजना के प्रारूप और उसके क्रियान्वयन के संबंध में एक से 30 नवंबर 2026 तक सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। तैयार प्रारूप को जनसंपर्क विभाग की वेबसाइट www.dprcg.gov.in पर प्रकाशित कर सुझाव लिया जा रहा है। मीडियाकर्मी योजना के प्रारूप और इसके क्रियान्वयन के संबंध में अपने सुझाव ईमेल chhattisgarhmediakarmi@gmail.com पर भेज सकते हैं। सुझाव भेजने के लिए एक माह की अवधि प्रस्तावित की गई है।

राज्य स्थापना दिवस जैसे ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेश से दूर रहकर संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण : सीएम

जनता का विश्वास जीतने के बजाय एसआईआर, ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठाना विपक्ष की हताशा का परिचायक : मुख्यमंत्री

चुनाव हंगामे और आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, जनता का दिल जीतने से जीते जाते हैं : मुख्यमंत्री श्री साय



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस जैसे ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण अवसर पर प्रदेश से बाहर रहकर एसआईआर, ईवीएम और चुनाव आयोग को लेकर प्रदर्शन करने पर विपक्ष की कड़ी आलोचना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब पूरा छत्तीसगढ़ अपने राज्य की स्थापना का उत्सव मना रहा है, तब विपक्ष के नेता इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेश की जनता के बीच रहने के बजाय दिल्ली में संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने में व्यस्त हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गौरव, स्वाभिमान और उत्सव का अवसर है। यह दिन हमारी साझा आकांक्षाओं, संघर्षों और उपलब्धियों का प्रतीक है। लेकिन दुर्भाग्य है कि विपक्ष इस महत्वपूर्ण अवसर पर भी राजनीतिक विरोध और प्रदर्शन को प्राथमिकता दे रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एसआईआर, ईवीएम और चुनाव आयोग जैसे विषयों को लेकर लगातार सवाल खड़े करना और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास का वातावरण बनाना उचित नहीं है। संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने के बजाय विपक्ष को जनता के बीच जाकर अपने कार्यों और नीतियों के आधार पर विश्वास अर्जित करना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है और उसका निर्णय ही अंतिम होता है। यदि जनता किसी राजनीतिक दल को अपना आशीर्वाद नहीं दे रही है, तो उसका समाधान चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने या राजनीतिक हंगामा खड़ा करने में नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर उसकी अपेक्षाओं को समझने और उसका विश्वास जीतने में है।

उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के लिए जनता का दिल जीतना पड़ता है, उसके सुख-दु:ख में सहभागी बनना पड़ता है और उसके विकास एवं कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करना पड़ता है। लोकतंत्र में जनविश्वास का कोई विकल्प नहीं है।

आर. के. सिन्हा जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन और समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा:- संजय



रायपुर (विश्व परिवार)। आज पचपेड़ी नाका, रायपुर में कायस्थ समाज द्वारा आयोजित भारतीय जनसंघ एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व राज्यसभा सांसद श्रद्धेय श्री आर.के. सिन्हा जी की श्रद्धांजलि सभा में छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष एवं कायस्थ समाज के संरक्षक श्री संजय श्रीवास्तव शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय सिन्हा जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।श्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि आर.के. सिन्हा जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, संगठनात्मक समर्पण, उद्यमशीलता और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने पत्रकारिता से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की और 1971 के भारत.पाकिस्तान युद्ध के दौरान युद्ध संवाददाता के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों से प्रभावित होकर उन्होंने छात्र आंदोलन पर श्जन आंदोलनश् पुस्तक भी लिखी।उन्होंने कहा कि वर्ष 1974 में आर.के. सिन्हा जी ने स्क्वुस् सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज समूह की स्थापना कर उद्यमिता के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई। उनकी विशेष सोच पूर्व सैनिकों को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने की थी। उनके प्रयासों से यह संस्थान आगे बढ़ा और सुरक्षा सेवाओं के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान के रूप में स्थापित हुआ।सामाजिक क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध करानेए जरूरतमंदों की सहायताए नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवाए सामूहिक विवाहए शिक्षा और आपदा राहत जैसे कार्यों के माध्यम से उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान में योगदान दिया। राजनीति के क्षेत्र में वे जनसंघ के समय से सक्रिय रहे और भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे। वर्ष 2014 से 2020 तक उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

1984 के सिख नरसंहार की बरसी पर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन दुर्भाग्यपूर्ण : जैन



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं छत्तीसगढ़ भाजपा उपाध्यक्ष नंदन जैन द्वारा कांग्रेस नेतृत्व और राहुल गांधी पर लगाए गए गंभीर आरोपों का समर्थन करते हुए भाजपा नेता नंदन जैन ने कहा कि 1984 के सिख नरसंहार की बरसी के दिन दिल्ली में कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन आयोजित करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और सिख समाज की भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

नंदन जैन ने कहा कि 01 नवम्बर 1984 को देश ने एक ऐसी ऐतिहासिक त्रासदी का सामना किया, जिसके जख्म आज भी सिख समाज के दिलों में ताजा हैं। तत्कालीन घटनाओं में कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर सिख विरोधी हिंसा को भड़काने और उसमें संलिप्त रहने के गंभीर आरोप लगे थे। इसके बावजूद कांग्रेस नेतृत्व ने कभी भी इस त्रासदी के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता और नैतिक जिम्मेदारी का परिचय नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि सिख नरसंहार को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की ओर से दिए गए विवादित और असंवेदनशील बयान, विशेषकर 'हुआ तो हुआ' जैसी टिप्पणी, आज भी पीड़ित परिवारों के घावों को हरा कर देती है।

नंदन जैन ने राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व से सवाल किया कि क्या देश के इतिहास के इस दुखद दिन पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के लिए कोई दूसरा दिन नहीं मिल सकता था? क्या यह महज संयोग है या सिख समाज की भावनाओं और उसके दर्द की अनदेखी?

उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध और लोकतांत्रिक प्रदर्शन हर राजनीतिक दल का अधिकार है, लेकिन इसके लिए उन तारीखों और अवसरों की संवेदनशीलता का ध्यान रखना भी जरूरी है, जिनसे करोड़ों लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं।

नंदन जैन ने कांग्रेस नेतृत्व को आगाह करते हुए कहा कि वह सिख समाज के दर्द और बलिदान का अपमान इसी तरह राजनैतिक स्वार्थ के लिए करती रहेगी तो सिख समुदाय के साथ साथ देश की जनता भी इसका करारा जवाब देगी।

कांग्रेस को राज्योत्सव से नहीं, एक परिवार के उत्सव से मतलब है :अरुण



रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस को छत्तीसगढ़ के राज्योत्सव से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें तो सिर्फ एक परिवार के उत्सव से मतलब है। जब छत्तीसगढ़ की जनता राज्य स्थापना दिवस का उत्सव मना रही है, तब कांग्रेस दिल्ली में एक परिवार को बचाने के लिए रैली निकाल रही है। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस के लिए गांधी परिवार ही सर्वोपरि है, देश और प्रदेश नहीं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज देश ने वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। पूरी दुनिया जब युद्ध की विभीषिका से गुजर रही है, तब भारत तेजी से विकसित देश की ओर अग्रसर हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया की 5 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है, जो पहले 10 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भी नहीं था। प्रधानमंत्री जी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में लाकर खड़ा करने का जो संकल्प लिया है, वही संकल्प कांग्रेस को चुभ रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की आवाज गूंज रही है।उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की आदत बन गई है कि वह हमेशा संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाती रहती है। चाहे चुनाव आयोग हो, ईडी हो, सीबीआई हो या न्यायपालिका, जब भी कांग्रेस के खिलाफ फैसले आते हैं तो वह सभी संस्थाओं को कठघरे में खड़ा कर देती है। लोकतंत्र पर खतरा कांग्रेस की हार से नहीं, बल्कि कांग्रेस की सोच से है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का दोहरा चरित्र पूरे देश ने देख लिया है। जिन राज्यों में कांग्रेस चुनाव जीत जाती है, वहां चुनाव आयोग अच्छा काम करता है और ईवीएम ठीक रहती है, लेकिन जहां हार जाती है, वहां चुनाव आयोग पर सवाल उठाती है और कहती है कि कोई भी बटन दबाओ वोट भाजपा को ही जाता है। यह हार की हताशा के अलावा कुछ नहीं है। जनता ने इन्हें नकार दिया है, इसलिए ये अब ईवीएम और चुनाव आयोग को कोस रहे हैं।उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र और निष्पक्ष संवैधानिक संस्था है, जो पूरे देश में पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ चुनाव संपन्न कराती है। चुनाव आयोग पर आरोप लगाना सीधे-सीधे लोकतंत्र और बाबा साहेब द्वारा बनाए गए संविधान का अपमान है। कांग्रेस को समझ लेना चाहिए कि झूठे आरोपों से न तो जनता भ्रमित होने वाली है ।

एम्स में अनुसंधान अभिमुखीकरण कार्यशाला का सफल आयोजन

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर के इंस्टीट्यूट रिसर्च सेल द्वारा 30 एवं 31 अक्टूबर 2026 को स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय अनुसंधान अभिमुखीकरण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को अनुसंधान से संबंधित ज्ञान प्रदान करना, शोध पद्धति की समझ विकसित करना, अकादमिक लेखन कौशल को बेहतर बनाना तथा शोध के नैतिक पहलुओं के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे अपने स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिक एवं नैतिक मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कर सकें। कार्यशाला के दौरान अनुसंधान के विभिन्न चरणों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें शोध विषय का चयन, शोध प्रश्न तैयार करना, थीसिस प्रोटोकॉल बनाना, डेटा विश्लेषण, परिणामों की व्याख्या तथा शोध पत्र तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। इसके अतिरिक्त, शोध में ईमानदारी, चिकित्सा अनुसंधान की नैतिकता, संदर्भ प्रबंधन तथा अनुसंधान एवं अकादमिक प्रकाशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।द्ध) के उपयोग पर भी विशेष जानकारी दी गई।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में डॉ. एकता खंडेलवाल ने इसकी रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। इसके बाद डॉ. अभिरुचि गल्होत्रा ने स्नातकोत्तर शिक्षा में अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. एली महापात्रा ने थीसिस प्रोटोकॉल तैयार करने से संबंधित शैक्षणिक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। इस अवसर पर एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के बीच अनुसंधान की संस्कृति विकसित करने और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।कार्यशाला के पहले दिन अनुसंधान पद्धति से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। डॉ. रचिता नंदा ने थीसिस के लिए उपयुक्त विषय चुनने और उसका शीर्षक निर्धारित करने के बारे में बताया। डॉ. पुगझेंथन टी. ने वैज्ञानिक साहित्य खोजने की प्रभावी तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. प्रीतम वासनिक ने साहित्य समीक्षा लिखने तथा मौजूदा शोध में कमियों और नए शोध की संभावनाओं की पहचान करने की प्रक्रिया समझाई।

त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक



भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई में आगामी नगरीय निकाय निर्वाचन की तैयारियों के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने निगम सभागार कक्ष में बैठक ली। बैठक में मतदाता सूची पर प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण तथा इसके पश्चात शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर ने परिशिष्ट-15 के माध्यम से प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही प्रपत्र-6 एवं प्रपत्र-क भराए जाने के कार्य की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि मतदाता सूची में नाम, पते एवं अन्य विवरणों से संबंधित त्रुटियों का नियमानुसार परीक्षण कर निराकरण किया जाए, ताकि निर्वाचन के लिए त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची तैयार हो सके।

उन्होंने निर्वाचन संबंधी सभी कार्यों को सुचारु एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने, अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय रखने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया।

बैठक में निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, अपर कलेक्टर लिली थॉमस, अनुविभागीय दंडाधिकारी सोनल डेविड, अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, तहसीलदार डीकेश्वर साहू सहित एईआरओ, सुपरवाइजर, प्राधिकृत अधिकारी एवं बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहे।

विधायक ने रक्तदाताओं का किया सम्मान



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर आज 1 नवंबर को छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, रायपुर शाखा द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा शामिल हुए।इस अवसर पर विधायक श्री मिश्रा ने रक्तदान करने वाले सेवाभावी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके पुनीत योगदान के लिए सम्मानित किया।उन्होंने हा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का महान मानवीय संकल्प है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा की नई किरण जगा सकता है। समाज के प्रत्येक स्वस्थ एवं सक्षम व्यक्ति को इस महादान के प्रति जागरूक होकर आगे आना चाहिए।श्री मिश्रा ने इस सराहनीय एवं जनसेवा से जुड़े आयोजन के लिए आयोजक मंडल, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों एवं सभी रक्तदाताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके सेवाभावी प्रयासों की प्रशंसा की। रक्तदान महादान है, यह मानवता की सेवा का सर्वोच्च और अनुकरणीय उदाहरण है।

जनादेश से बार-बार नकारे जाने के बाद अब संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की हताश कोशिश कर रही कांग्रेस : भाजपा



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा दिए गए बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक तरीके से जनता द्वारा बार-बार नकारी जा चुकी कांग्रेस अब अपनी आसन्न राजनीतिक विदाई से बौखलाकर देश के निर्वाचन आयोग और संवैधानिक संस्थाओं पर मनगढ़ंत आरोप मढ़ रही है। श्री पाण्डेय ने कहा कि जनता के विवेक का अपमान करना और हर चुनावी पराजय के बाद कभी ईवीएम तो कभी मतदाता सूची पर सवाल उठाना कांग्रेस का पुराना चरित्र बन चुका है।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद श्री पाण्डेय ने विपक्षी सांसदों के व्यवहार पर बोलते हुए कहा कि सदन में विपक्ष के पास न कोई ठोस तर्क होता है और न ही वे चर्चा में भाग लेते हैं। वे बहस छोड़कर भाग खड़े होते हैं और बाहर आकर संसद की गरिमा का माखौल उड़ाते हैं। डुप्लीकेट राजनीति करने वाले ठीक नक्सली अंदाज में डुप्लीकेट संसद लगाकर अपनी कुण्ठा का प्रदर्शन कर रहे हैं। श्री पाण्डेय ने कहा कि पूर्ववर्ती दौर में बस्तर में जनताना सरकार और बंदूक के बल पर समानांतर सत्ता चलाने वालों को प्रश्रय दिया गया, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही 'अर्बन/दिमागी नक्सल' कहा है। कांग्रेस पर 'कालनेमि' होने का आरोप लगाकर कांग्रेस नेताओं की राज्योत्सव से दूरी और दिल्ली में प्रदर्शन को लेकर श्री पाण्डेय ने तीखा तंज कसा कि कांग्रेसियों को राज्य की खुशियों से कोई सरोकार नहीं है, उन्हें केवल 'कुर्सी' की चाहत है। कांग्रेस का छत्तीसगढ़िया प्रेम केवल एक छलावा है।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि रामलीला मैदान में खड़ी होकर 'वोट चोरी' का रोना रोने वाली कांग्रेस वही पार्टी है जिसने 1975 में देश के संविधान का गला घोंटकर आपातकाल थोपा था। आज जब देश का लोकतंत्र मजबूत हाथों में है और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार गरीबों, किसानों, माताओं-बहनों और युवाओं के हितों को सुरक्षित कर रही है, तब कांग्रेसियों को अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती नजर आ रही है। श्री पाण्डेय ने बैज द्वारा मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर की गई अनर्गल बयानबाजी का कड़ा प्रतिकार करते हुए कहा ।

रायपुर में आज होगा कोयला एवं लिग्नाइट खदानों का स्टार रेटिंग पुरस्कार समारोह

रायपुर (विश्व परिवार)। देश में कोयला एवं लिग्नाइट खनन क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रबंधन, परिचालन दक्षता, सुरक्षा और सतत विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से केंद्रीय कोयला मंत्रालय द्वारा 2 नवंबर 2026 को रायपुर में स्टार रेटिंग पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में आकलन वर्ष 2024-25 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कोयला एवं लिग्नाइट खदानों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा।समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और पुरस्कारों का वितरण करेंगे। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि होंगे, जबकि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के सचिव श्री विक्रम देव दत्त, अपर सचिव श्री सनोज कुमार झा सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा राज्य सरकारों के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

कोयला खदानों के लिए लागू स्टार रेटिंग नीति के अंतर्गत खदानों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए एक व्यापक एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था निर्धारित की गई है। इसके तहत परिचालन दक्षता, आधुनिक तकनीक का उपयोग, व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, पर्यावरण प्रबंधन, सतत विकास, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना तथा स्थानीय समुदायों के कल्याण के लिए किए गए प्रयासों सहित विभिन्न मानकों पर खदानों के प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। कोयला नियंत्रक संगठन द्वारा नियुक्त समीक्षकों के माध्यम से पारदर्शी प्रक्रिया और निर्धारित मानकों के अनुरूप खदानों का मूल्यांकन एवं सत्यापन किया जाता है। इसके आधार पर खदानों को पांच स्टार से लेकर शून्य स्टार तक की रेटिंग प्रदान की जाती है। आकलन वर्ष 2024-25 में निर्धारित मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खदानों को समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।यह पुरस्कार योजना खनन क्षेत्र में वैज्ञानिक, सुरक्षित, कुशल और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका उद्देश्य देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास में कोयला क्षेत्र के योगदान को और सुदृढ़ करना है। प्रदर्शन आधारित इस पारदर्शी मूल्यांकन व्यवस्था से खनन कंपनियों को परिचालन मानकों में निरंतर सुधार, पर्यावरण संरक्षण के उपायों को मजबूत करने तथा खनन के संपूर्ण जीवनचक्र में सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। साथ ही, यह व्यवस्था खनन क्षेत्र में नवाचार, दक्षता और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करती है।रायपुर में आयोजित यह समारोह जिम्मेदार खनन, संसाधनों के कुशल उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली खदानों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान एवं सम्मान प्रदान करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।





प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354